संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 296
पृष्ठ 8
शुक्रवार
18 जुलाई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- प्राकृतिक सुंदरता और वातावरण...

विचार- समोसे-जलेबी पर सरकारी फरमान...

खेल- हार्दिक की सात साल से टेस्ट...

स्वच्छता हमारी जीवनशैली का हिस्सा : मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को स्वच्छ भारत मिशन अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि वातावरण को स्वच्छ रखने की परंपरा हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग है और सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना प्राचीन काल से ही स्वच्छता पर बल देती रही है। श्रीमती मुर्मु ने आज यहां स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में अपने संबोधन में कहा कि उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा वर्ष 2024 के लिए दुनिया का सबसे बड़ा स्वच्छता सर्वेक्षण आयोजित किया जिसमें विभिन्न हितधारकों, राज्य सरकारों, शहरी निकायों और लगभग 14 करोड़ नागरिकों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना प्राचीन काल से ही स्वच्छता पर बल देती रही है। अपने घरों, पूजा स्थलों और आस–पास के वातावरण को स्वच्छ रखने की परंपरा हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे, 'स्वच्छता ईश्वरीय भक्ति के बाद आती है।' वे स्वच्छता को धर्म, अध्यात्म और नागरिक जीवन की आधारशिला मानते थे। उन्होंने कहा कि वह अधिसूचित क्षेत्र परिषद की उपाध्यक्ष के रूप में प्रतिदिन वार्डों का दौरा करती थीं और स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण करती थीं। न्यूनतम संसाधनों का उपयोग करके अपव्यय को न्यूनतम करना और उन्हें उसी उद्देश्य या अन्य उद्देश्य के लिए पुनः उपयोग करना, हमेशा से हमारी जीवनशैली का हिस्सा रहा है। वृत्ताकार अर्थव्यवस्था के मूल सिद्धांत और कम–पुनः उपयोग–पुनर्चक्रण की प्रणालियाँ हमारी प्राचीन जीवनशैली के आधुनिक और व्यापक रूप हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आदिवासी समुदायों की पारंपरिक जीवनशैली सरल है। वे कम संसाधनों का उपयोग करते हैं और मौसम तथा पर्यावरण के साथ सामंजस्य बिठाकर तथा समुदाय के अन्य सदस्यों के साथ साझेदारी में रहते हैं। वे प्राकृतिक संसाधनों की बर्बादी नहीं करते। ऐसे व्यवहार और परंपराओं को अपनाकर वृत्ताकारता की आधुनिक प्रणालियों को और मज़बूत बनाया जा सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि अपशिष्ट प्रबंधन मूल्य श्रृंखला में पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम स्रोत पृथक्करण है। सभी हितधारकों और प्रत्येक परिवार को इस कदम पर अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। शून्य–अपशिष्ट बस्तियाँ अच्छे उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं। उन्होंने विद्यालय स्तरीय मूल्यांकन पहल की सराहना की जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वच्छता को जीवन मूल्य के रूप में अपनाना है। उन्होंने कहा कि इसके अत्यंत लाभकारी और दूरगामी परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक और इलेक्ट्रॉनिक कचरे को नियंत्रित करना और उनसे होने वाले प्रदूषण को रोकना एक बड़ी चुनौती है। उचित प्रयासों से हम देश के प्लास्टिक उत्सर्जन को उल्लेखनीय रूप से कम कर सकते हैं। केंद्र सरकार ने वर्ष 2022 में एकल–उपयोग प्लास्टिक युक्त कुछ वस्तुओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसी वर्ष, सरकार ने प्लास्टिक पैकेजिंग के लिए विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व हेतु दिशानिर्देश जारी किए हैं। उत्पादकों, ब्रांड मालिकों और आयातकों सहित सभी हितधारकों की यह ज़िम्मेदारी है कि वे इन दिशानिर्देशों का पूरी तरह से पालन सुनिश्चित करें। राष्ट्रपति ने कहा कि स्वच्छता से जुड़े प्रयासों के आर्थिक, सांस्कृतिक आयाम और भौगोलिक पहलू हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी नागरिक स्वच्छ भारत मिशन में पूरी लगन से भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि सुविचारित और दृढ़ संकल्पों के साथ, विकसित भारत वर्ष 2047 तक दुनिया के सबसे स्वच्छ देशों में से एक होगा।

पूर्वांचल के विकास में नहीं रहेगी कोई कसर : सीएम योगी

● ग्रीनफील्ड और गंगा एक्सप्रेस–वे का चंदौली तक होगा विस्तार, हवाई सर्वे किया

चंदौली, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को चंदौली को वाराणसी से जोड़ने वाले पुल का हवाई निरीक्षण किया। इसके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ एक दिवसीय दौरे पर चंदौली पहुंचे। सीएम का हेलिकॉप्टर जगदीशसराय के पास हेलिपैड पर उतरा। यहां पर मौजूद भाजपा के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद सीएम योगी सीधे कलेक्ट्रेट पहुंचकर पौधरोपण किया। वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोगों से भी पौधरोपण अभियान में भाग लेने की अपील की। सीएम योगी ने कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से अब चंदौली और सोनभद्र को भी जोड़ा जाएगा। जिससे पूर्वांचल के सबसे पिछड़े जिलों को आर्थिक विकास में नई रफ्तार मिलेगी। इस परियोजना की अनुमानित लागत 200 करोड़ से अधिक होगी। उन्होंने कहा कि अब ग्रीनफील्ड और गंगा एक्सप्रेसवे का विस्तार भी चंदौली तक किया जाएगा। ताकि यहां के लोगों को तेज आवागमन और औद्योगिक अवसर मिल सकें। सीएम योगी आदित्यनाथ ने चंदौली के दौरे पर आकर विकास योजनाओं की समीक्षा की। सीएम ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि पूर्वांचल को देश की विकास ६ ाारा में अग्रणी स्थान मिले। इसके बाद भाजपा पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से फीडबैक लिया। जिस आधार पर उन्होंने प्रशासनिक अफसरों संग कानून–व्यवस्था और विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने जिले के विभिन्न विभागों की परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा की।

बिहार को लेकर चुनाव आयोग पर बरसे राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कठपुतली बनने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह चुनाव आयोग कम और भाजपा का श्चोरी आयोगश ज्यादा नजर आता है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक पर एक पोस्ट में गुरुवार को कहा बिहार में चुनाव आयोग मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर रंगे हाथ वोट चोरी करता पकड़ा गया। काम सिर्फ़ चोरी, नाम 'एसआईआर' पर्दाफाश करने वाले पर प्राथमिकी होगी। उन्होंने चुनाव आयोग को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि आयोग अब भी 'चुनाव आयोग' है या पूरी तरह भाजपा की चुनाव चोरी शाखा बन चुका है।

पूर्ववर्ती सरकारों के 'भ्रष्टाचार के अड्डों' को खत्म करेंगे : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्रीय राजधानी में पूर्ववर्ती सरकारों के समय रहे ''भ्रष्टाचार के सभी अड्डों'' को खत्म करने का बृहस्पतिवार को संकल्प लिया। उनका यह बयान उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना द्वारा पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की 'जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना' में कथित भ्रष्टाचार की जांच के आदेश देने के एक दिन बाद आया है। वर्ष 2018 में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निजी कोचिंग संस्थानों में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों को मुफ्त कोचिंग प्रदान करना था। हालांकि, इस साल फरवरी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत नयी सरकार बनने के बाद इस योजना को बंद कर दिया गया था। एक कार्यक्रम में जब इस मामले की जांच के लिए जारी निर्देशों के बारे में पूछा गया तो गुप्ता ने कहा, ''अगर आप किसी योजना के लिए 15 करोड़ रुपये आवंटित करते हैं और फिर 150 करोड़ रुपये के बिल जमा करते हैं, तो काम कैसे चलेगा? हम पूर्ववर्ती सरकारों के मौजूद भ्रष्टाचार के अड्डों को खत्म कर देंगे।'' उन्होंने आश्वासन दिया कि जनता की ''कड़ी मेहनत की कमाई'' बर्बाद नहीं होगी।

रॉबर्ट वाड्रा की मुश्किलें बढ़ी, ईडी ने शिकोहपुर लैंड डील मामले में चार्जशीट दायर की

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को शिकोहपुर भूमि सौदा मामले में व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया। आरोपपत्र में कई अन्य व्यक्तियों और फर्मों के नाम भी शामिल हैं। जांच एजेंसी ने रॉबर्ट वाड्रा और उनकी कंपनी स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड की 37.6 करोड़ रुपये मूल्य की 43 संपत्तियां भी कुर्क की हैं। यह मामला सितंबर 2018 का है। इससे पहले ब्रिटेन में स्थित शस्त्र सलाहकार संजय भंडारी और कुछ अन्य से जुड़े धनशोधन मामले में सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा के पति एवं कारोबारी रॉबर्ट वाद्रा से करीब पांच घंटे तक पूछताछ की थी। रॉबर्ट वाद्रा (56) पूर्वाह्न 11 बजे के बाद मध्य दिल्ली स्थित ईडी के कार्यालय पहुंचे। उनके साथ केरल की वायनाड लोकसभा सीट से सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा भी थीं। सूत्रों ने बताया कि पूछताछ शाम पांच बजे के बाद समाप्त हो गयी और पूछताछ के दौरान वाद्रा एक बार भोजनावकाश के लिए बाहर गए। सूत्रों ने बताया कि रॉबर्ट वाद्रा का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि वाद्रा को पूछताछ के लिए फिर से बुलाया जा सकता है, क्योंकि वह भंडारी और उसके परिवार के सदस्यों के साथ अपने वित्तीय संबंधों के बारे में कुछ सवालों के जवाब देने में कथित तौर पर 'विफल' रहे।

मोदी ने किया देश को सुरक्षित करने का सबसे बड़ा काम : शाह

जयपुर, एजेंसी। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में लोककल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोगों के जीवन में बदलाव लाने के साथ ऑपरेशन सिंदूर चलाकर देश को सुरक्षित करने का सबसे बड़ा काम करते हुए समृद्ध एवं विकसित भारत के सपने को जमीन पर उतरने का काम किया हैं। श्री शाह गुरुवार को जयपुर जिले के दादिया गांव में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष–2025 के अवसर पर आयोजित सहकार एवं रोजगार उत्सव समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश कांग्रेस के शासन में आतंकवादी हमलों से त्रस्त था लेकिन श्री मोदी ने जब पूरी में आतंकवादी हमला हुआ तो सर्जिकल स्ट्राइक की और जब पूलवामा हमला हुआ तब एयर स्ट्राइक और पहलगाम आतंकवादी हमले होने पर ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान के घर में जाकर आतंकवादियों के परखचे उड़ाकर पूरी दनिया को मजबूत संदेश भेजने का काम किया कि भारत के नागरिकों, सेना और सीमा के साथ छेडखानी नहीं करते तो यह नतीजे नहीं भुगतने पड़ते। उन्होंने कहा कि इस प्रकार श्री मोदी ने देश को समृद्ध एवं विकसित भारत बनाने के सपने को जमीन पर उतरने एवं उसे सच्चा करने का काम किया हैं। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में देश ग्यारहवें स्थान से चौथे स्थान पर आकर दूनियां का चौथा अर्थ तंत्र बन चुका है। श्री मोदी ने पिछले ग्यारह साल में गेंहू सहित कई फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमसएपी) में वृद्धि करने का काम किया। इसके अलावा उन्होंने 27 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने का काम भी किया वहीं 60 करोड़ लोगों के घरों में शोचालय बनाने का काम किया गया। श्री शाह ने कहा कि राजस्थान को ऊंटों की भूमि वाला प्रदेश के रुप भी जाना जाता है और सहकारिता का उपयोग ऊंट की नस्ल सुधारने एवं ऊंटनी के दूध का शोध भी शुरु किया गया जिससे आने वाले समय में ऊंट के संरक्षण पर कोई खतरा नहीं आयेगा। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह प्रदेश पेपर लीक से भी त्रस्त था लेकिन एसआईटी गठन करके राज्य सरकार ने कठोर संदेश पेपर माफिया के खिलाफ दिया है। श्री शर्मा के नेतृत्व में वैश्विक निवेश सम्मेलन का आयोजन कर 35 लाख करोड़ के एमओयू किए गए और तीन लाख करोड़ के एमओयू पर काम शुरु हो गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कुमारस्वामी को अवमानना मामले में दी राहत

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी को अदालती अवमानना कार्यवाही में आरोपी बनाने से संबंधित कर्नाटक उच्च न्यायालय के एक आदेश पर गुरुवार को रोक लगाकर उन्हें राहत दी। न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने निर्देश दिया कि श्री कुमारस्वामी को अवमानना मामले में आरोपी बनाने संबंधी कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश को स्थगित रखा जाए। पीठ ने पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा के पुत्र एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री तथा जनता दल सेक्युलर नेता की ओर से दायर एक याचिका पर गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) श्समाज परिवर्तन समुदायश को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा। शीर्ष अदालत ने इस मामले में लोकायुक्त जाँच बंद होने के बावजूद अवमानना कार्यवाही जारी रखने के औचित्य पर भी मौखिक रूप से सवाल उठाया। यह मामला 2011 में कर्नाटक लोकायुक्त के समक्ष केथागनहल्ली गाँव, बिदादी होबली, रामनगर तालुक में कथित अतिक्रमण के संबंध में की गई एक शिकायत पर एक लंबे समय से चल रहे विवाद से संबंधित है। एनजीओ ने 2020 में कर्नाटक उच्च न्यायालय में लोकायुक्त के आदेश के अनुसार कथित अतिक्रमण की जाँच की माँग करते हुए एक रिट याचिका दायर की थी। राज्य सरकार के जाँच के आश्वासन के आधार पर उच्च न्यायालय ने 14 जनवरी, 2020 को याचिका का निपटारा कर दिया था। इस मामले में कुमारस्वामी को एक पक्षकार बनाया गया था, लेकिन उन्हें उन कार्यवाहियों में नोटिस जारी नहीं किया गया।

कन्हैयालाल परिवार को कब तक न्याय के लिए करना पड़ेगा इंतजार–गहलोत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को आज प्रदेश की जनता को जवाब देना चाहिए कि आखिर उदयपुर कन्हैयालाल हत्याकांड में कन्हैयालाल परिवार को कब तक न्याय के लिए इंतजार करना पड़ेगा। श्री गहलोत ने गुरुवार को अपने बयान में कहा कि श्री शाह आज जयपुर दौरे पर हैं और उन्होंने विधानसभा चुनाव से पूर्व राजस्थान में हर रैली में कन्हैयालाल केस का जिक्र किया और इसके नाम पर वोट मांगे। उन्होंने कहा कि क्या भाजपा इस केस पर केवल राजनीति ही करेगी। उनका न्याय से कोई वास्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि अब इस केस को तीन साल हो चुके हैं। अभी तक एनआईए अदालत ने दोषियों को सजा नहीं सुनाई है क्योंकि यहां की एनआईए अदालत में रेगुलर जज तक नहीं हैं। एनआईए तीन साल में गवाहों के बयान तक नहीं करवा सकी है। उन्होंने कहा कि इस केस में राजस्थान पुलिस ने सिर्फ चार घंटे में आरोपी गिरफ्तार कर लिए।

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने हथियार बरामद कर दो लोगों को किया गिरफ्तार

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील और सीमांत क्षेत्रों में तलाशी अभियान के दौरान हथियार और गोला बारुद बरामद किये और उग्रवादी गतिविधियों तथा मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा जारी एक बयान के अनुसार बुधवार को जिरीबाम और तामेंगलोंग ज़िले के एक गाँव के बीच स्थित सुनसान इलाके में चलाए गए एक अभियान के दौरान

सुरक्षा बलों ने हथियारों, गोला–बारूद और संबंधित उपकरणों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि ज़ब्त की गई हथियारों में स्वचालित और बोल्ट–एक्शन राइफलें, कई सिंगल–बैरल बंदूक, कई कारतूस, इस्तेमाल किए हुए कारतूस के खोखे, रबर की गोलियां, एक दूरसंचार उपकरण, बुलेटप्रूफ जैकेट और सिर ढकने वाले कपड़े सहित सुरक्षात्मक उपकरण और एक मैगज़ीन पाउच बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि एक अलग अभियान में थौबल जिले में एक प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन का सक्रिय सदस्य होने के संदेह में एक किशोर को गिरफ्तार किया गया। किशोर थौबल और बिष्णुपुर जिलों के कुछ हिस्सों में जबरन वसूली, पैसों की मांग और नए सदस्यों की भर्ती में शामिल था। सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर सेनापति जिले में एक सुरक्षा चौकी पर जांच के लिए एक वाहन को रोककर बड़ी मात्रा में संदिग्ध नशीली गोलियां जब्त कर एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

मोदी शुक्रवार को बिहार, पश्चिम बंगाल के दौरे पर जायेंगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को बिहार तथा पश्चिम बंगाल के दौरे पर रहेंगे और वह 12,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पण करेंगे। इनमें रेलवे, सड़क, गैस, ऊर्जा, मत्स्य पालन, आईटी और ग्रामीण विकास जैसे कई क्षेत्रों की योजनाएं शामिल हैं। श्री मोदी सबसे पहले कल बिहार में पहुंचकर पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे मोतिहारी में 7200 करोड़ रुपये से अधिक की रेल, सड़क, ग्रामीण विकास, मत्स्य पालन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों से संबंधित विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। वह इसके बाद एक सार्वजनिक समारोह को संबोधित करेंगे। राज्य में संचार और बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री राष्ट्र को कई रेल परियोजनाएं समर्पित करेंगे। इसमें समस्तीपुर–बछवाड़ा रेल लाइन के बीच स्वचालित सिग्नलिंग भी शामिल है, जिससे इस खंड पर कुशल रेल संचालन संभव होगा। दरभंगा–थलवारा और समस्तीपुर–रामभद्रपुर रेल लाइनों का दोहरीकरण, 580 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली दरभंगा–समस्तीपुर दोहरीकरण परियोजना का हिस्सा है, जिससे रेल संचालन की क्षमता बढ़ेगी और देरी कम होगी। प्रधानमंत्री क्षेत्र में सड़क अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग 319 के आरा बाईपास के 4–लेन निर्माण की आधारशिला रखेंगे। यह आरा–मोहनिया राष्ट्रीय राजमार्ग 319 और पटना–बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग 922 को जोड़ेगा, जिससे निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा और यात्रा का समय भी कम होगा। श्री मोदी राष्ट्रीय राजमार्ग 319 के परररिया से मोहनिया तक 4–लेन खंड का भी उद्घाटन करेंगे, जिसकी लागत 820 करोड़ रुपये से अधिक है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग 319 का ही एक हिस्सा है जो आरा शहर को राष्ट्रीय राजमार्ग 2 (स्वर्णिम चतुर्भुज) से जोड़ता है। इससे माल और यात्रियों की आवाजाही में सुधार होगा। इसके अलावा, राष्ट्रीय राजमार्ग 333ब पर सरवन से चकाई तक 2–लेन की पक्की सड़क का भी उद्घाटन किया जाएगा, जिससे माल और लोगों की आवाजाही सुगम होगी और बिहार और झारखंड के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का काम होगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री दीनदयाल अंत्योदय योजना–राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई–एनआरएलएम) के अंतर्गत बिहार में लगभग 61,500 स्वयं सहायता समूहों को 400 करोड़ रुपये भी जारी करेंगे।

पावस की बूंद

पावस की बूँदों ने आकर ,
वसुधा पर है धूम मचाई,
पौधे भी अब झूम– झूमकर,
बूँदों को दे रहे बधाई।

हरे धान की सुन्दर खुशबू ,
कृषकों के मन को है भायी,
देखो हरे – भरे पल्लव ने,
वृक्षों को है दिया सजाई।

मेघों ने जा दूर गगन में,
उछल– कूद दुंदुभी बजाई,
ताल तलैया नदियॉ हर्षित
पावस को दे रहे दुहाई।

शीतल मंद – सुगंध पवन बहे,
प्रमुदित हैं सब लोग लुगाई ,
धरा ने पहना हरा घांघरा,
मन – मयूर रह रह हरषाई।

अनामिका तिवारी अन्नपूर्णा
लूकरगंज, प्रयागराज

स्वच्छता के शिखर में बढ़ रहा अपना प्रयागराज, एक नहीं दो पुरस्कार मिला प्रयागराज को

देश में नं0 1 स्वच्छ शहर बना प्रयागराज

विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2024–25 के पुरस्कार समारोह में प्रयागराज के महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी जी ने की सहभागिता ।

1. स्वच्छ सर्वेक्षण 2024/25 गंगाटाऊन में प्रयागराज बना देश का न 1 शहर,

2. विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन महाकुंभ मेले की सफलता पर प्रयागराज को देश में विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

केंद्रीय आवास एवं नगर विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर जी ने पुरस्कार से सम्मानित किया

महापौर ने कहा यह सब प्रयागराज के जनता जनार्दन को समर्पित है उन्हीं की मेहनत का परिणाम है

कार्यक्रम में उत्तरप्रदेश सरकार में नगर विकास मंत्री श्री ए के शर्मा, विशेष सचिव नगर विकास विभाग उत्तर प्रदेश अनुज झा, प्रयागराज नगर निगम के नगर आयुक्त सीलम साई तेजा, अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव मौजूद रहे।

लगातार बारिश की वजह से कई स्कूलों में कर दी गई छुट्टी

प्रयागराज। जनपद में बृहस्पतिवार के दिन की शुरुआत भारी बारिश और तेज आंधी के साथ हुई। इससे जनजीवन अस्तव्यवस्थ हो गया है। इस बारिश को किसानों के लिए जहां फायदेमंद माना जा रहा है वहीं शहर और नगरीय इलाकों में यह आफत बन गई है। जनपद में बृहस्पतिवार के दिन की शुरुआत भारी बारिश और तेज आंधी के साथ हुई। इससे जनजीवन अस्तव्यवस्थ हो गया है। इस बारिश को किसानों के लिए जहां फायदेमंद माना जा रहा है वहीं शहर और नगरीय इलाकों में यह आफत बन गई है। बारिश के चलते बिशप जॉनशन स्कूल एंड कॉलेज और आईपीईएम इंटरनेशनल स्कूल में भी छुट्टी कर दी गई है। इसके अलावा कई

स्कूलों ने बरसात के कारण स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है। तेज बारिश और हवाओं के झोंके के चलते दफ्तर जाने वालो के साथ ही यात्रा पर जाने वालों को काफी दिक्कत हुई। लोग रेन कोट और छाता लेकर निकले। सबसे ज्यादा दिक्कत सवारी वाहनों और दो पहिया वाहन से यात्रा करने वालों को हुई।

बारिश के कारण अल्लापुर, दारागंज, राजरूपपुर, धूमनगंज, कटरा, जानसेनगंज, मुट्ठीगंज, सिविल लाइंस आदि इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया है। सिविल लाइंस से पुराने शहर को जाने वाले निरंजन पुल के नीचे पानी भरने के कारण लोगों को काफी दिक्कत हुई। यही स्थित हाइकोर्ट पानी टंकी से लीडर रोड को जोड़ने वाले पुल के दोनों तरफ रही। जल भराव के चलते लोगों को काफी दिक्कत हो रही है। गंगा और यमुना पहले से ही उफान पर हैं। कछारी इलाकों के लोग पलायन की तैयारी में हैं। सामान पैक करके गंतव्य स्थान को निकलने की तैयारी कर रहे हैं। बारिश के चलते उनकी परेशानी और भी बढ़ गई है।

हाईकोर्ट से नहीं जारी होगी प्रतिकूल प्रविष्टि

इलाहाबाद हाईकोर्ट से बृहस्पतिवार को कोई प्रतिकूल प्रविष्टि जारी नहीं किया जाएगा। बारिश के कारण मुकदमो में सुनवाई के लिए कोर्ट में हाजिर न हो पाने वाले वादकारियों के खिलाफ आज हाईकोर्ट प्रतिकूल आदेश नहीं जारी करेगा। बारिश को देखते हुए हाईकोर्ट ने यह राहत वादकारियों और अधिवक्ताओं को दी है। इसका आदेश भी जारी कर दिया गया है।

सजधज कर अपनी 41 वीं वर्षगांठ पर नई दिल्ली के लिए रवाना हुई प्रयागराज एक्सप्रेस

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन से नई दिल्ली जाने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस बुधवार को 41 वर्ष की हो गई। वीआईपी ट्रेन प्रयागराज की वर्षगांठ के मौके पर ट्रेन को विशेष साज सज्जा की गई। इस खास मौके पर प्रयागराज एक्सप्रेस के पहले सफर के साक्षी रहे सेवानिवृत्त लोको पॉयलट डीएन सक्सेना एवं कोच कंडक्टर रहे शीतला प्रसाद श्रीवास्तव भी सपरिवार जंक्शन पहुंचे।

प्रयागराज जंक्शन से नई दिल्ली जाने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस बुधवार को 41 वर्ष की हो गई। वीआईपी ट्रेन प्रयागराज की वर्षगांठ के मौके पर ट्रेन को विशेष साज सज्जा की गई। इस खास मौके पर प्रयागराज एक्सप्रेस के पहले सफर के साक्षी रहे सेवानिवृत्त लोको पॉयलट डीएन सक्सेना एवं कोच कंडक्टर रहे शीतला प्रसाद श्रीवास्तव भी सपरिवार जंक्शन पहुंचे। इन दोनों सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने ही प्रयागराज एक्सप्रेस के 41 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर केक भी काटा।

केक काटने के बाद दोनों ही सेवानिवृत रेलकर्मियों ने अपने अनुभव भी साझा किए। डीएन सक्सेना ने बताया कि पहले सफर के दौरान उनकी ड्यूटी लोको पॉयलट डा. नकीब उद्दीन के साथ ट्रेन में लगी थी। तब वह प्रयागराज जंक्शन से कानपुर तक ट्रेन को ले गए थे। पहले सफर में ही ट्रेन कानपुर के साथ नई दिल्ली

स्टेशन समय से पहले पहुंची। तब इसकी रवानगी का समय रात नौ बजे था और सुबह छह बजे ट्रेन नई दिल्ली पहुंच जाती थी।

अपनी पत्नी एवं बेटे और बहु के साथ जंक्शन पहुंचे डीएन सक्सेना ने कहा कि 2019 में ट्रेन की 35 वीं वर्षगांठ के मौके पर भी उन्हें सम्मानित किया गया था। इस दौरान शीतला प्रसाद श्रीवास्तव ने कहा कि पहले सफर के मौके पर उनकी पत्नी संतोष श्रीवास्तव भी जंक्शन पहुंची। कहा कि 41 वर्ष बाद ट्रेन की वर्षगांठ के मौके पर पत्नी को साथ में ही लाया हूं। कहा कि जब ट्रेन की शुरूआत हुई तब इसमें सिर्फ 14 कोच ही थे। उस दौरान एसी का एक भी कोच नहीं था।

इसके पूर्व स्टेशन निदेशक वीके द्विवेदी, स्टेशन प्रबंधक दिलीप ठाकुर, पीआरओ अमित कुमार सिंह ने डीएन सक्सेना और शीतला प्रसाद का बुके देकर स्वागत किया। इस दौरान तमाम यात्रियों ने इन दोनों रेलकर्मियों के साथ सेल्फी भी ली। इस खास मौके पर प्रयागराज एक्सप्रेस फैंस क्लब की ओर से प्रयागराज एक्सप्रेस की साज सज्जा की गई। विशेष डिजाइन वाले इस केक की भी लोगों ने फोटो खींची।

पोस्टर के माध्यम से दी ट्रेन में हुए अब तक के बदलाव की जानकारी

41 वीं वर्षगांठ के मौके पर ट्रेन के कुछ कोच में प्रयागराज एक्सप्रेस के संचालन के बाद से अब तक हुए तमाम बदलावों की जानकारी एक पोस्टर के माध्यम से दी गई।

इस पोस्टर में 16 जुलाई 1984 को हुए उदघाटन समारोह की फोटो, ट्रेन में वर्ष 2003 में लगे नीले आईसीएफ कोच लगाए जाने, 2006 में आईएसओ प्रमाणपत्र मिलने, 2016 में एलएचबी रेक मिलने, 2020 में ट्रेन की अधिकतम स्पीड 130 किमी प्रतिघंटा किए जाने की जानकारी दर्शाई गई थी।

राजकीय विद्यालयों में प्रवक्ता के पदों पर भी भर्ती की तैयारी शुरू, आयोग को मिला 1500 पदों का अधियाचन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने राजकीय विद्यालयों में एलटी ग्रेड शिक्षक (सहायक अध्यापक) के 7466 पदों पर भर्ती के लिए 28 जुलाई से आवेदन की घोषणा करने के साथ ही प्रवक्ता भर्ती की तैयारी भी शुरू कर दी है।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने राजकीय विद्यालयों में एलटी ग्रेड शिक्षक (सहायक अध्यापक) के 7466 पदों पर भर्ती के लिए 28 जुलाई से आवेदन की घोषणा करने के साथ ही प्रवक्ता भर्ती की तैयारी भी शुरू कर दी है। दो विषयों के अधियाचन में विसंगतियां दूर होते ही आयोग प्रवक्ता भर्ती का विज्ञापन जारी कर देगा।

इससे पूर्व आयोग ने दिसंबर–2020 में 16 विषयों में प्रवक्ता के 1473 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। इस बार 20 विषयों में तकरीबन डेढ़ हजार पदों पर भर्ती होनी है। शुरुआत में माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने आयोग को पुरुष वर्ग में 19 विषय व महिला वर्ग में एक विषय का अधियाचन भेजा था। बाद में सभी विषयों का अधियाचन आयोग को उपलब्ध करा दिया गया।

आयोग के सूत्रों का कहना है कि दो विषयों के अधियाचन में कुछ विसंगतियां हैं, जिन्हें दूर किया जा रहा है। इस बारे में माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के अफसरों से बात की गई है। एक सप्ताह के भीतर विसंगतियों का निस्तारण हो जाएगा। इसके बाद प्रवक्ता के तकरीबन डेढ़ हजार पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया जाएगा।

इस बार बीएड की डिग्री होगी अनिवार्य

प्रवक्ता के पदों पर पिछली भर्ती में अनिवार्य शैक्षिक अर्हता परास्नातक की डिग्री निर्धारित की गई थी, लेकिन इस बार शैक्षिक अर्हता में बड़ा बदलाव किया गया है। हाल ही में शासन की ओर से जारी नई नियमावली में प्रवक्ता भर्ती के लिए बीएड की डिग्री अनिवार्य कर दी गई है। ऐसे में बीएड डिग्रीधारक अभ्यर्थी ही इस बार आवेदन के लिए पात्र होंगे।

अब नहीं होगा समकक्ष अर्हता का विवाद

प्रवक्ता भर्ती में अब समकक्ष अर्हता का विवाद नहीं होगा। भर्ती से संबंधित नियमावली से समकक्ष शब्द ही हटा दिया गया है और अर्हता को लेकर स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट कर दी गई है। पहले समकक्ष अर्हता को लेकर अक्सर विवाद हो जाता था और मामले कोर्ट में चले जाते थे। ऐसे में भर्तियां फंस जाती थीं। अर्हता स्पष्ट होने से अब भर्ती समय से पूरी की जा सकेगी।

प्रवक्ता भर्ती में बीएड अनिवार्य किए जाने से उन लाखों अभ्यर्थियों को झटका लगा है, जिनके पास केवल परास्नातक की डिग्री है और उन्होंने प्रवक्ता भर्ती में शामिल होने की तैयारी की थी। ऐसे अभ्यर्थियों को बीएड की डिग्री हासिल करने में कम से कम दो साल का वक्त लगेगा। जिन अभ्यर्थियों के पास बीएड की डिग्री नहीं है, वे इस बार भर्ती में शामिल होने से वंचित रह जाएंगे।

शादी में दिए गए उपहारों को आमतौर पर दहेज नहीं माना जाता, मुकदमे की कार्रवाई पर कोर्ट ने लगाई रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि शादी में दिए गए उपहारों को आमतौर पर दहेज नहीं माना जाता। इस टिप्पणी संग कोर्ट ने जबरन धर्म परिवर्तन और दहेज उत्पीड़न के आरोपी परिजनों को राहत दे दी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि शादी में दिए गए उपहारों को आमतौर पर दहेज नहीं माना जाता। इस टिप्पणी संग कोर्ट ने जबरन धर्म परिवर्तन और दहेज उत्पीड़न के आरोपी परिजनों को राहत दे दी। साथ ही कोर्ट ने मुकदमे की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी और कहा कि मामले में विस्तृत जांच की आवश्यकता है।

यह आदेश न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान की एकलपीठ ने काशिफ अतहर व दो अन्य की याचिका पर दिया। गाजियाबाद निवासी फराज का एक दूसरे धर्म की युवती से प्रेम संबंध था। विवाह के पहले एक कार्यक्रम आयोजित किया गया

था। वहीं, इसके कुछ दिनों बाद युवती ने आत्महत्या कर ली। इस पर युवती के पिता ने फराज, उसके भाई काशिफ अतहर, उसकी मां और बहन पर दहेज उत्पीड़न–जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप में कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज कराया।

ट्रायल कोर्ट ने पुलिस के आरोप पत्र का संज्ञान लेकर समन आदेश जारी किया। काशिफ अतहर, उसकी मां और बहन ने दर्ज मुकदमे की पूरी कार्यवाही को रद्द करने की मांग करते हुए अर्जी दाखिल की। आवेदक के वकील ने दलील दी कि एफआईआर में आवेदकों के खिलाफ केवल इतना आरोप है कि उन्होंने एक होटल में विवाह के पहले समारोह में भाग लिया था। जबरन धर्म परिवर्तन और अन्य आरोप मुख्य रूप से सह–अभियुक्त फराज पर लगाए गए हैं। आवेदकों के खिलाफ एफआईआर में कोई सीधा आरोप नहीं है। 28 दिसंबर 2024 को पुलिस जांच के दौरान मृतका की बहन और मां के बयान में जबरन धर्म परिवर्तन के प्रयास के आरोप लगाए गए। ये आरोप झूठे हैं और आवेदकों को केवल सह–अभियुक्त फराज के रिश्तेदार होने के कारण फंसाया गया है।

अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता ने अर्जी का विरोध किया। दलील दी कि विवाह के पहले समारोह में दी गई राशि दहेज के रूप में मानी जाएगी। कोर्ट ने कहा कि मामले में विस्तृत जांच की आवश्यकता है। राज्य और शिकायतकर्ता को एक जवाबी हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया है। साथ ही अगली सुनवाई 27 अक्तूबर तक आवेदकों के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगा दी।

वेतन मामले में कमेटी गठन में लेटलतीफी पर कोर्ट नाराज, शिक्षा निदेशक से मांगा व्यक्तिगत हलफनामा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बेसिक शिक्षा विभाग में वेतन मामले को लेकर कमेटी गठन की लेटलतीफी पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने अपने ही आदेश के अनुपालन में देरी को लेकर शिक्षा निदेशक (बेसिक) उत्तर प्रदेश, लखनऊ से व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बेसिक शिक्षा विभाग में वेतन मामले को लेकर कमेटी गठन की लेटलतीफी पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने अपने ही आदेश के अनुपालन में देरी को लेकर शिक्षा निदेशक (बेसिक) उत्तर प्रदेश, लखनऊ से व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। कहा है कि अगली तारीख पर आदेश का अनुपालन न करने पर अतिरिक्त मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा को कोर्ट में उपस्थित होना पड़ेगा। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की पीठ ने नंदू प्रसाद की याचिका पर दिया।

स्कूल में आठवीं के छात्र को जूनियर ने मारा चाकू, आरोपी का दो दिन पहले हुआ था दाखिला

प्रयागराज। धूमनगंज के मुंडेरा स्थित स्कूल में आठवीं के छात्र को जूनियर छात्र ने चाकू मार दिया। जख्मी हाल में उसे निजी अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसका इलाज जारी है। परिजनों ने आरोपी छात्र के खिलाफ लिखित शिकायत थाने में दी है। पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है। धूमनगंज के मुंडेरा स्थित स्कूल में आठवीं के छात्र को जूनियर छात्र ने चाकू मार दिया। जख्मी हाल में उसे निजी अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसका इलाज जारी है। परिजनों ने आरोपी छात्र के खिलाफ लिखित शिकायत थाने में दी है। पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है।

भुक्तभोगी छात्र हरवारा का रहने वाला है। उसके पिता हनुमानगंज स्थित इंटर कॉलेज में कर्मचारी हैं। मां ने बताया कि रोज की तरह बुधवार सुबह भी बेटा स्कूल गया था। बेटे ने बताया कि सुबह 9.30 बजे के करीब लंच के दौरान वह दोस्त से बात कर रहा था। इसी दौरान छठवीं कक्षा में पढ़ने वाला छात्र आया और उसे गाली देने लगा। प्रिंसिपल से शिकायत की बात कहने पर उसने बैग से चाकू निकाल लिया। वह उसे हाथ पकड़कर प्रिंसिपल रूम में ले जाने लगा तो उसने चाकू से हमला कर दिया। पीठ में चाकू लगने से वह जख्मी होकर चीखने लगा तो शिक्षक व अन्य स्टाफ आ गया। इसके बाद उसे पास के ही निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल छात्र की मां ने धूमनगंज थाने में नामजद तहरीर दी है। धूमनगंज थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि शिकायत मिली है। जांच पड़ताल की जा रही है। आरोपी छात्र का पता लगाया जा रहा है। मां का कहना है कि आरोपी छात्र से एक दिन पहले बेटे का विवाद हुआ था। विवाद किस बात को लेकर हुआ यह साफ नहीं है। इसी विवाद को लेकर बुधवार को बेटे पर हमला किया गया। आरोपी छात्र का दो दिन पहले ही स्कूल में दाखिला हुआ है। वह जब स्कूल पहुंचीं तो आरोपी छात्र को स्कूल वालों ने एक कक्षा में बंद कर दिया था। मां के मुताबिक बेटे ने यह भी बताया कि उसने किसी तरह प्रिंसिपल कक्ष में घुसकर अपनी जान बचाई।

अब्बास अंसारी ने मऊ के जिला जज के आदेश को हाईकोर्ट में दी चुनौती

प्रयागराज। मुख्तार अंसारी के बेटे व पूर्व विधायक अब्बास अंसारी ने हेट स्पीच मामले में मऊ के एमपी/एमएलए विशेष कोर्ट से मिली दो साल की मिली सजा पर रोक लगाने की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। मुख्तार अंसारी के बेटे व पूर्व विधायक अब्बास अंसारी ने हेट स्पीच मामले में मऊ के एमपी/एमएलए विशेष कोर्ट से मिली दो साल की मिली सजा

पर रोक लगाने की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। 2022 विधानसभा चुनाव के दौरान भड़काऊ भाषण के मामले में मऊ के एमपी/एमएलए कोर्ट ने 31 मई को दो साल की सजा और 3000 रुपये जुर्माना लगाया था। इसी आधार पर एक जून 2025 को उनकी विधायक चली गई थी। सजा के खिलाफ उनकी अपील को मऊ के जिला जज की अदालत ने पांच जुलाई को खारिज कर दिया था। इसे अब्बास ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। अब्बास अंसारी ने अपने अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय के माध्यम से यह याचिका दाखिल की है। अगले सप्ताह सुनवाई हो सकती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट मऊ के एमपी/एमएलए विशेष कोर्ट से मिली दो साल की सजा पर रोक लगाता है तो अब्बास अंसारी की विधायकी बहाल हो जाएगी। इससे मऊ की सदर विधानसभा सीट पर उपचुनाव नहीं होगा।

राजकीय विद्यालयों में प्रवक्ता के पदों पर भी भर्ती की तैयारी शुरू, UPPSC को मिला डेढ़ हजार पदों का अधियाचन

प्रयागराज। आयोग ने दिसंबर, 2020 में 16 विषयों में प्रवक्ता के 1,473 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। इस बार 20 विषयों में करीब डेढ़ हजार पदों पर भर्ती होनी है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने राजकीय विद्यालयों में एलटी ग्रेड शिक्षक (सहायक अध्यापक) के 7,466 पदों पर भर्ती के लिए 28 जुलाई से आवेदन की घोषणा करने के साथ ही प्रवक्ता भर्ती की तैयारी भी शुरू कर दी है। दो विषयों के अधियाचन में विसंगतियां दूर होते ही आयोग प्रवक्ता भर्ती का विज्ञापन जारी कर देगा। इससे पूर्व आयोग ने दिसंबर, 2020 में 16 विषयों में प्रवक्ता के 1,473 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। इस बार 20 विषयों में करीब डेढ़ हजार पदों पर भर्ती होनी है। शुरुआत में माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने आयोग को पुरुष वर्ग में 19 विषय व महिला वर्ग में एक विषय का अधियाचन भेजा था। बाद में सभी विषयों का अधियाचन आयोग को उपलब्ध करा दिया गया। आयोग के सूत्रों का कहना है कि दो विषयों के अधियाचन में कुछ विसंगतियां हैं, जिन्हें दूर किया जा रहा है। इस बारे में माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के अफसरों से बात की गई है। एक सप्ताह के भीतर विसंगतियों का निस्तारण हो जाएगा। इसके बाद प्रवक्ता के तकरीबन डेढ़ हजार पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया जाएगा।

सहारनपुर हिंसा मामले में सांसद चंद्रशेखर की याचिका पर अब सुनवाई 25 जुलाई को

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुधवार को सहारनपुर हिंसा मामले में भीम आर्मी प्रमुख और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद की याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान उनके वकील ने याचिका के प्रार्थना पत्र में संशोधन आवेदन प्रस्तुत करने के लिए कोर्ट से समय मांगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुधवार को सहारनपुर हिंसा मामले में भीम आर्मी प्रमुख और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद की याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान उनके वकील ने याचिका के प्रार्थना पत्र में संशोधन आवेदन प्रस्तुत करने के लिए कोर्ट से समय मांगा। इस पर कोर्ट ने अगली तारीख 25 जुलाई नियत कर दी। न्यायमूर्ति समीर जैन की एकलपीठ में याचिका पर सुनवाई चल रही है। 2017 में सहारनपुर कोतवाली देहात थाना क्षेत्र में चंद्रशेखर पर बिना अनुमति सभा करने, हिंसा भड़काने व आगजनी आदि आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया था।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा कावंड़ियो के लिए लगाए गए स्वास्थ्य शिविरों का निरीक्षण किया गया

मुजफ्फरनगर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील तेवतिया के द्वारा आज कावड़ यात्रा पर्व 2025 के लिए लगाए स्वास्थ्य शिविरों का निरीक्षण किया गया, उनके द्वारा मखियाली (सदर), बघरा,ब्लॉक के बागोवाली, काजीखेडा, बघरा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बघरा का निरीक्षण एवं स्वास्थ्य शिविरों का निरीक्षण किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी

डॉक्टर सुनील तेवतिया ने कावड़ यात्रा 2025 में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा लगाए गए स्वास्थ्य शिविरों में ड्यूटी कर रहे विभाग के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सेवाभाव व कर्तव्यबोध के साथ अपनी कावड़ ड्यूटी का निर्वहन करें, और स्वास्थ्य शिविरों में कांवडियों के साथ पैदल यात्रा कर स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बघरा पर पायी गयी कमियों के सम्बन्ध में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये गये।

बाबा भयहरण नाथ धाम में घुघुरी लोक उत्सव का भव्य आयोजन 29 जुलाई को

-सूचना विभाग व प्रबन्ध समिति के संयोजन में होंगे विविध आयोजन

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में सावन मेला का भव्य आयोजन जिला प्रशासन व पुलिस विभाग के मार्गदर्शन में नगर पंचायत, थाना जेठवारा व प्रबन्ध समिति के

संयुक्त प्रयास से सुव्यवस्था के साथ सभी परम्परा गत गतिविधियां जारी है। गत वर्षों की भाँति नागपंचमी के अवसर पर घुघुरी लोक उत्सव का भव्य आयोजन 29 जुलाई दिन मंगलवार को होगा। जिला सूचना अधिकारी व भयहरण नाथ धाम के महासचिव समाज शेखर के संयोजन में सावन के परम्परागत स्थानीय व राष्ट्रीय आयोजन होंगे। शासन की जनोपयोगी नीतियों के प्रति जन जागरूकता पैदा की जायेगी। साथ ही 2 किमी दौड़ प्रतियोगिता, गुड्डा– गुड़िया तथा फुल झड़ी प्रतियोगिता का आयोजन गत वर्षो की भाँति होगा। इस अवसर पर नामी लोक कलाकार, कवि व गायको को आयोजन समिति द्वारा आमंत्रित किया जा रहा है जिसकी सूची 22 जुलाई को जारी होगी।

राधा रमण लाल के दर्शन करने पहुंचे प्रसिद्ध गायक बीप्राक

-प्रसिद्ध गायक बीप्राक ने राधा रमण लाल के समक्ष दी भजन प्रस्तुति

-मंदिर परिसर में तैयार किया जा रहे हैं तरह तरह के फूल बंगले

मथुरा। नगर के सप्त देवालयों में सम्मिलित ठाकुर राधा रमण मंदिर में चल रहे अमृत महोत्सव के अंतर्गत बुधवार की शाम को ठाकुर राधा रमण लाल के दर्शन को प्रसिद्ध गायक बीप्राक पहुंचे। मंदिर के सेवायत पुंडरीक गोस्वामी के द्वारा बीप्राक का ठाकुर जी की प्रसादी और पटका पहनाकर स्वागत किया गया। वहीं बीप्राक ने ठाकुर राधा रमण लाल के समक्ष भजन गाकर दिव्य और भव्य प्रस्तुति दी। भक्ति गीतों पर मंदिर प्रांगण में दूरदराज से आए हुए श्रद्धालु थिरकते हुए नजर आए। साथ ही मंदिर परिसर में विशेष फूल बंगले का भी आयोजन किया गया। विशेष फूल बंगले में अपने आराध्य के दर्शन कर भक्त आनंदित हो उठे। वहीं विस्तृत जानकारी देते हुए अमृत महोत्सव के आयोजक और मंदिर के सेवायत पुंडरीक गोस्वामी ने बताया कि राधा रमण मंदिर में सप्त दिवसीय अमृत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें तरह–तरह के धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। मंदिर परिसर में अनेकों प्रसिद्ध कलाकार ठाकुर जी के समक्ष अपनी प्रस्तुति देकर ठाकुर जी से लाड लड़ा रहे हैं। साथ ही महोत्सव के अंतर्गत ठाकुर जी के प्रसाद वितरण का भी आयोजन किया जा रहा है। जिसमें हजारों श्रद्धालु प्रसाद पा रहे हैं। वहीं ठाकुर जी के समक्ष प्रतिदिन 56 भोग और विशेष फूल बंगले का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही निमाई पाठशाला के विद्यार्थी इस उत्सव में अपना पूर्ण योगदान दे रहे हैं।

सुंदर झांकियों के साथ अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं शिव भक्त कावड़िया

-मुज़फ्फरनगर हुआ शिव मय, चहु ओर बम बम भोलो की गूंज से गुंजायमान, कावड़ में भी राष्ट्रभक्ति व राष्ट्र भावना

मुजफ्फरनगर। सावन माह के महीने में शिव भक्त कावड़िया देवभूमि उत्तराखंड हरिद्वार से पवित्र गंगा जल लेकर आते हैं और अपनी मन्नतो के साथ वह गंगाजल लेकर अनेकों शिवालियों में भोलेनाथ को पवित्र गंगाजल अर्पित कर अपनी अनेको मन्नते मांगते हैं मुजफ्फरनगर के हृदय स्थली शिव चौक पर अनेकों सुंदर झांकियों के साथ शिवभक्त कावड़ियों की पूरी भीड़ हैं मुजफ्फरनगर में आनेको अति सुंदर–सुंदर झांकियां के साथ साथ कावड़ आ रही हैं और शिव भक्त कावड़िया अपने अपने गंतव्य की ओर लगातार बढ़ते जा रहे हैं प्रतिदिन लाखों की संख्या में मुजफ्फरनगर हृदयस्थली शिव चौक से कांवरिया अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं वहीं पुलिस प्रशासन नगर पालिका प्रशासन स्वास्थ्य विभाग की टीम पूर्ण रूप से कावड़ सेवा में लगी हुई है नगर के सभी गणमान्य कावड़ सेवा में लगे हुए हैं विशाल भंडारों का आयोजन किया जा रहा है इसी क्रम में मुजफ्फरनगर में कावड़ सेवा सुरक्षा को देखते हुए एटीएस की टीम भी लगी हुई है प्रशासनिक अधिकारी पुलिस अधिकारी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर में सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम चाक चौबंद किए हुए कावड़ यात्रा में परिंदा भी पर नहीं मार सकता नगरवासी भी भोलो की सेवा में दिन रात एक कर उनकी सेवा में लगे हुए है।

डीएम से बोले बच्चे 'मास्टर साहब बढ़िया पढ़ाते हैं'

-डीएम ने गौसना में स्थित प्राथमिक विद्यालय का किया औचक निरीक्षण

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने विकास खण्ड राया के ग्राम गौसना में स्थित प्राथमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र गौसना एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर आरोग्य परमं धनम् उपकेंद्र गौसना का जायजा लिया। दोनों केन्द्र मौके पर बंद मिले। जिलाधिकारी ने मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर आरोग्य परमं धनम् उपकेंद्र गौसना के अनुपस्थित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा है। जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह ने स्कूल में संचालित स्मार्ट क्लास में बच्चों से जाकर गिनती, गणित के सवाल और कविता सुनी। जिलाधिकारी को एक बच्चे ने एक से लेकर 35 तक गिनती सुनाई, एक बच्ची ने कविता सुनाई, जिस पर जिलाधिकारी ने उत्साहवर्धन करते हुए ताली बजाई। क्लास में पढ़ रहे बच्चों से पूछा कि मास्टर साहब अच्छा पढ़ाते हैं या नहीं, जिसपर बच्चों ने कहा कि मास्टर साहब बढ़िया पढ़ाते हैं। जिलाधिकारी ने मिड डे मील की गुणवत्ता की जानकारी ली तथा बच्चों से पूछा कि

आज क्या खाना खाया है। बच्चों ने बताया कि आज आलू–छोले की सब्जी, दाल और रोटी खाई है। बच्चों ने बताया कि खाना बहुत अच्छा है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने स्कूल परिसर का निरीक्षण किया, जिसमें गंदगी मिलने पर नाराजगी जाहिर की और अध्यापकों को फटकार लगाते हुए स्कूल की छुट्टी होने के बाद तत्काल साफ–सफाई कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि स्कूल परिसर की सफाई के साथ साथ कक्षाओं की भी सफाई सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने परिसर में लगे हैण्डपम्प को चलाया और पानी की गुणवत्ता को चेक किया। जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान को निर्देश दिये कि स्कूल परिसर में प्रतिदिन सफाई की जाये, शौचालय की सफाई सुनिश्चित करें, शौचालय में पानी की व्यवस्था हो, स्कूल परिसर को एकरूपी करते हुए जहां जरूरत पड़े वहां इंटरलॉकिंग टाइल लगायें। इसके बाद जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सभी कक्षाओं में जाकर बारी बारी से स्कूली छात्र छात्राओं को पढ़ाया, उनसे गिनती, पहाड़े, एबीसीडी, कविता आदि की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने एक बच्ची से चार का पहाड़ा भी सुना। जिलाधिकारी ने बच्चों की उपस्थिति रजिस्टर तथा अध्यापकों की उपस्थिति रजिस्टर को चेक किया।

खुद थाने नहीं पहुंचा प्रेमिका का हत्यारोपी, पुलिस ने दबोचा

-सोशल मीडिया पर चल रही अफवाह, पुलिस ने किया खंडन

-16 जुलाई को हुई युवती की हत्या, 17 जुलाई को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मथुरा। सोशल मीडिया पर चल रही इस अफवाह का पुलिस ने खंडन किया है कि अपनी प्रेमिका की हत्या करने के बाद हत्यारोपी युवक खुद पुलिस के पास पहुंचा और हत्या की बात कबूल की। पुलिस ने इस तरह की अफवाहों का खंडन किया है। हालांकि अपने कमरे पर बुला कर प्रेमिका की गला दबाकर हत्या

करने के आरोपी प्रेमी युवक को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक हत्यारोपी प्रेमिका की हत्या करने के बाद सीधा पुलिस स्टेशन नहीं पहुंचा था। युवक की गिरफ्तारी थाना कोतवाली अंतर्गत गोवर्धन चौक पर आगरा को जाने वाले सर्विस रोड़ से 17 जुलाई को रात करीब एक बजे गिरफ्तार किया। जबकि युवती की हत्या 16 जुलाई को की गई थी। सोशल मीडिया पर चल रही इस तरह की अफवाह को पुंलिस ने नकार दिया जिसमें दावा किया जा रहा है कि हत्यारोपी प्रेमी युवक अपनी प्रेमिका की हत्या करने के बाद सीधे पुलिस स्टेशन पहुंचा और खुद को पुलिस के सुपुर्द करते हुए गलती होने और गलती से हत्या हो जाने की बात कही। इसके बाद थाने पहुंचे युवक को पुंलिस ने हिरासत में ले लिया और युवक द्वारा बताये गये पते पर पहुंची तो कमरे के अंदर युवती का शव पड़ा मिला। थाना कोतवाली पुलिस टीम ने 17 जुलाई को अभियुक्त राहुल पुत्र स्व. जगदीश निवासी ग्राम नगला सराय थाना फतेहपुर सीकरी जनपद आगरा हाल निवासी क्षेत्रपाल के मकान में किरायेदार, रामनगर कृष्णानगर थाना कोतवाली जिला मथुरा उम्र करीब 25 वर्ष को गोवर्धन चौक पर आगरा को जाने वाले सर्विस रोड़ से रात को करीब एक बजे गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त राहुल के विरूद्ध थाना कोतवाली पर लिखित तहरीर के आधार पर धारा 103 (1) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। अभियुक्त के विरुद्ध थाना कोतवाली से विधिक कार्यवाही की गई। पुलिस के मुताबिक अभियुक्त व मृतक दोनों के प्रेम सम्बन्ध थे। 16 जुलाई को अभियुक्त राहुल ने मृतक को अपने किराये के कमरे रामनगर, कृष्णा नगर पर बुलाया था जहां पर दोनो का आपस में किसी बात को लेकर वाद विवाद हो गया जिसके बाद अभियुक्त राहुल ने युंवती की गला दबाकर हत्या कर दी। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक देवपाल सिंह पुण्डीर थाना कोतवाली, एसआई कुशल पाल सिंह (चौकी प्रभारी कृष्णानगर) थाना कोतवाली आदि थे।

विशाल कावड़ सेवा शिविर शुरू

मुजफ्फरनगर। मेरठ रोड स्थित गंगा प्लाजा के प्रांगण में अखिल भारत हिंदू महासभा एवं अखिल भारतीय हिंदू एकता दल के तत्वाधान में 18वें विशाल कावड़ सेवा शिविर का शुभारंभ पूर्व अध्यक्ष श्रीमती अंजू अग्रवाल संयुक्त व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय मिश्रा एवं पत्रकार अंकुर दुआ ने संयुक्त रूप से किया। उपरोक्त जानकारी देते हुए शिविर के संयोजक सुरेंद्र मित्तल ने बताया कि स्वर्गीय पंकज गुप्ता और निधीश राज गर्ग की स्मृति में इस वर्ष यह विशाल कावड़ सेवा शिविर लगाया गया है।

इस कावड़ शिविर में शिवभक्तों को निशुल्क सेवा मिलती रहेगी और यह शिविर प्रभु इच्छा तक चलेगा। इसमें उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापारी सुरक्षा संगठन, श्री खाटू श्याम जी सेवा संघ परिवार, श्री बालाजी परिवार सेवा संघ जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया, जसपा पार्टी का योगदान मिल रहा है। इस अवसर पर अपने संबोधन में पूर्व अध्यक्ष श्रीमती अंजू अग्रवाल ने कहा की सेवा कार्य अपने आप में महत्वपूर्ण है। उन्होंने शिविर संचालकों को सलाह दी के वे असामाजिक तत्वों के प्रवेश से बचे और शिविर में अपने कार्यकर्ताओं से चौकसी बरतने का आवाहन करें। संयुक्त व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष संजय मिश्रा ने कहा कि शिव चौक के बाद गंगा प्लाजा में शुरू होने वाला यह शिविर सेवा भाव से अपने आप में

अविस्मरणीय है। यहां शिवभक्तों की भरपूर सेवा की जाती है इसी प्रकार पत्रकार अंकुर दुआ ने शिविर संचालकों को उपयोगी टिप्स दिए। इस कार्य क्रम में द्वीप प्रज्वलन के उपरांत भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। डॉक्टर धर्मेंद्र, डॉक्टर सतीश गुर्जर, जितेंद्र कुमार, प्रवीण शर्मा, अंकुश कुच्छल, विनोद शर्मा एडवोकेट, अमन वर्मा एडवोकेट, बैकुंठ लाल, शुभम गर्ग, कान्हा गुप्ता, रचित गोयल, अमन बंसल, सुनील ग्रोवर, नीटू भारद्वाज आदि का इसमें उल्लेखनीय योगदान मिला। कार्यक्रम का संचालन सुरेंद्र मित्तल और आशीष ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के उपरांत प्रथम दिवस का भंडारा डॉक्टर एमएल गर्ग द्वारा अपने पुत्र स्व. निधिषराज गर्ग की स्मृति में किया गया।

पश्चिमी यूपी में लोजपा की जड़ हो रही मजबूत: पवन वर्मा

पार्टी में युवाओं को राजनीति करने का मिल रहा अवसर

आगरा। एक स्थानीय होटल में आगरा – अलीगढ़ मंडल की समीक्षा बैठक आगरा में प्रदेश अध्यक्ष पवन वर्मा के नेतृत्व में आयोजित की गई। प्रदेश मीडिया प्रभारी अतुल कुमार ने बताया कि समीक्षा बैठक में आगरा,मथुरा, फिरोजाबाद ,एटा,कासगंज, अलीगढ़ और हाथरस के जिलाध्यक्ष शामिल हुए तथा पार्टी को मजबूत बनाने पर चर्चा की गई। समीक्षा बैठक में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रदेश पदाधिकारियों ने उपस्थित जिलाध्यक्षों को पार्टी मजबूत बनाने एवं युवाओं को राजनीति मौका देने को निर्देशित किया। जिलाध्यक्षों ने प्रदेश पदाधिकारियों को बताया कि उनके जिलों से बूथ तक कार्यकर्ता सक्रिय रूप से जुड़ चुके हैं आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी के चौंकाने वाले परिणाम आएंगे। प्रदेश अध्यक्ष पवन वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के निर्देश के अनुसार पार्टी की विचार धारा को जन जन तक पहुंचाया जा रहा है तथा पार्टी से नए सक्रिय सदस्य जोड़े जा रहे हैं। इस दौरान जे एस तोमर,योगेश कुमार, विपिन अग्रवाल,जीतू चौधरी,ध्रुव कुमार,अजीत यादव, सिद्धार्थ कुमार, घनश्याम माहौर, बबलू सागर,सुंदर सिंह प्रधान,कृष्ण गोपाल आदि मौजूद रहे।

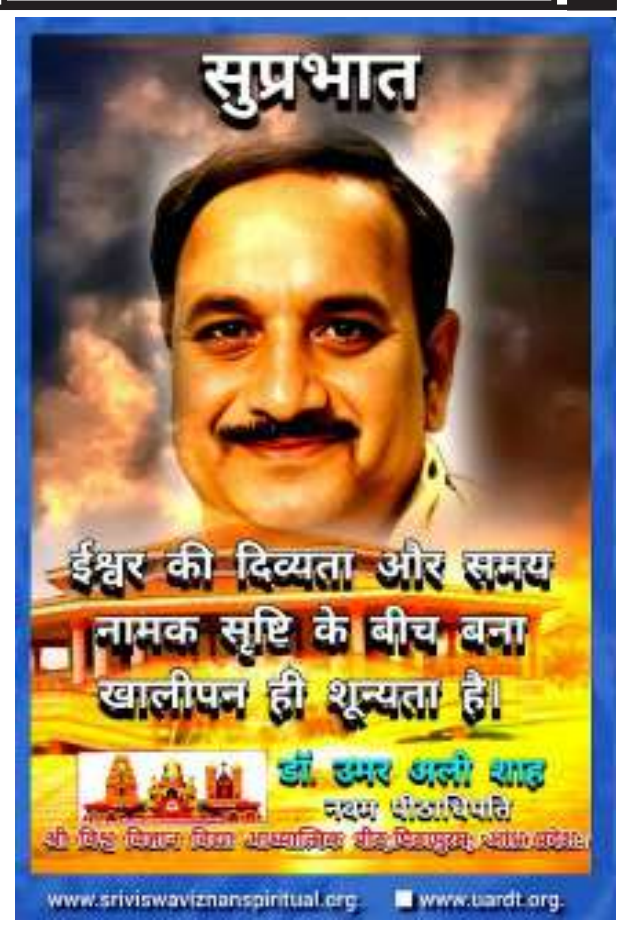

कालापदी आम

(कुण्डलिया)

कहते हैं 'कालापदी', एक आम की किस्म।
लघु मध्यम आकार का, मोटा चिकना जिस्म।
मोटा चिकना जिस्म,रसीला रेशे वाला।
जिसने इसको चखा,वही इसका मतवाला।
सुन लो कहें प्रदीप,आम मुट्ठी में भरके।
चूस रहे जो लोग, इसे चुसनी हैं कहते।।

दक्षिण के जिस आम का, वज़न डेढ़ सौ ग्राम।
कहते है 'कालापदी', है उसका प्रिय नाम।
है उसका प्रिय नाम,मुलायम गूदा जिसका।
रस में घुली मिठास, बताती मीठा इसका।
सुन लो कहें प्रदीप, सुनहरा पीला मिश्रण।
संबोधन में कहे, दिशा मेरी है दक्षिण।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

मुजफ्फरनगर में सिद्धपीठ शिव मंदिर के रास्ते पर गंदगी, स्लोगन की उड़ी धज्जियां

सिद्धपीठ शिव मंदिर मार्ग पर गंदगी का अंबार
सावन में श्रद्धालुओं को बदबू और कूड़े से जूझना
'हम सबने ठाना है, गंदगी को दूर भगाना है' स्लोगन बेअसर
श्रद्धालुओं की मांग, 'तुरंत हो मंदिर मार्ग की सफाई'

मुजफ्फरनगर की सदर तहसील के मुसा शेर नगर गांव में सिद्धपीठ भगवान शिव मंदिर के मुख्य रास्ते पर गंदगी का अंबार लगा है। सावन मास में, जब लाखों हजारों श्रद्धालु भोलेनाथ के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं, उन्हें बदबू और कूड़े के ढेर से होकर गुजरना पड़ रहा है। वहीं पर ही ग्राम पंचायत के कूड़ाघर पर लिखा स्लोगन, 'हम सबने ठाना है, गंदगी को दूर भगाना है,' अब मजाक बन गया है, क्योंकि उसी कूड़ाघर के आसपास गंदगी का ढेर जमा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका और प्रशासन की लापरवाही के कारण यह स्थिति बनी है। कई बार शिकायत के बावजूद सफाई नहीं हो रही। श्रद्धालुओं ने मांग की है कि मंदिर मार्ग को तुरंत साफ किया जाए, ताकि भक्ति का माहौल खराब न हो। यह गंदगी न केवल स्वास्थ्य के लिए खतरा है, बल्कि सावन की पवित्रता को भी प्रभावित कर रही है।

तोशखाना एक शुद्ध ब्रांडः श्रीमती शाही

प्रयागराज। आई आई सी (सीएमपी कॉलेज)एवं जंतु विज्ञान विभाग (सी एम पी कॉलेज) प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 17 जुलाई 2025 को तोशखाना फाउंडेशन ऑफ ए ब्रांड नामक विषय पर प्रशिक्षण कम कार्यशाला का आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न हो गया । इस कार्यक्रम में सभी का स्वागत एवम् आई आई सी के विषय में संपूर्ण जानकारी प्रोफेसर अर्चना पांडेय , संयोजक, आई आई सी , सी एम पी पी जी कॉलेज ने की। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता श्रीमती श्रुति किशोर शाही ने अपने वक्तव्य में बताया कि तोशखाना एक ब्रांड है और इस ब्रांड में शुद्ध कॉटन, सिल्क ,जॉर्जेट आदि की साड़ियां, सूट जैसे उत्पाद तैयार कराए जाते हैं। यह ब्रांड अपने शुद्धता हेतु प्रसिद्ध है । इस ब्रांड में हाथ से ही सभी काम जैसे रंग, प्रिंट, कढ़ाई आदि का काम किया जाता है । यहां पर कपड़े के बचे करतन आदि से भी आवश्यक सामग्री तैयार की जाती है । यह ब्रांड रियूज,रिसाइकिल पर आधारित है।यह स्थाई विकास की ओर अग्रसर है तथा पर्यावरण प्रदूषण को भी कम करता है । इस कार्यक्रम में श्रीमती दीक्षा शाही ने तोशखाना के उत्पादों को प्रदर्शित किया। इस कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता का परिचय डॉक्टर ज्योति वर्मा ने किया । कार्यशाला का संचालन डॉक्टर हेमलता पंत तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर विनय कुमार सिंह ने किया।कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से शुरू हुआ । सरस्वती वंदना क्रमशः शोध छात्रा कुमारी अर्पिता एवं रक्षा ने की ।इस कार्यक्रम में डॉ सुधि श्रीवास्तव ,डॉक्टर मनोज जयसवाल , डॉक्टर आशीष कुमार मिश्रा, डॉक्टर निधि त्रिपाठी , डॉक्टर अजीत कुमार सिंह ,डॉक्टर अनुराधा ,डॉक्टर चारू त्रिपाठी उपस्थित थे । कार्यक्रम में ट्विंकल, आदित्य शर्मा, मनहर कृष्ण ओझा ,प्रियंका , चंद्र प्रकाश , गरिमा गुप्ता , श्रद्धा, जागृति एवम् दिव्यांशी आदि शोध छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

सम्पादकीय.....

निरंकुश नहीं आजादी

कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति के चलते उपजी विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश की जरूरत बताते हुए देश की शीर्ष अदालत ने आत्म–नियमन की जरूरत बतायी है। दरअसल, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ, एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर विचार कर रही थी, जिस पर धर्म विशेष के देवी–देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के चलते कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म–संयम बरतना चाहिए। कोर्ट ने चेताया है कि यदि सोशल मीडिया पर विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगता तो सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिलता है। जो एक अच्छी स्थिति नहीं होगी। निस्संदेह, समाज में विद्वेष व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा–निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है। दरअसल, अदालत का मानना था कि संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत मिली आजादी असीमित कदापि नहीं है। यदि उससे सामाजिक समरसता में खलल पड़ता है तो सरकार को दखल देने का मौका मिलता है। जो कि एक लोकतांत्रिक देश के लिये अच्छा संकेत नहीं है। कोई नहीं चाहता कि उसकी अभिव्यक्ति की आजादी को सरकार नियंत्रित करे। सही मायनों में लोगों को समझना चाहिए कि देश की एकता व अखंडता बनाये रखना मौलिक कर्तव्य ही है। अदालत ने इस बाबत सवाल भी किया कि नागरिक स्वयं को संयमित क्यों नहीं कर सकते? कोर्ट का मानना था कि लोग तभी अभिव्यक्ति की आजादी का आनन्द ले सकते हैं जब यह संयमित ढंग से व्यक्त की जाए। शीर्ष अदालत की पीठ का मानना था कि नागरिकों के बीच भाईचारा होना चाहिए, तभी समाज में नफरत से मुकाबला किया जा सकता है। तभी हम गंगा–जमुनी संस्कृति के समाज का निर्माण कर सकते हैं। वैसे कई राज्यों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के नियमन को लेकर सरकारी कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। कई जगह विचारों की अभिव्यक्ति व कार्टून आदि बनाने को राजनीतिक दुराग्रह बताते हुए लोगों को गिरफ्तार तक किया गया है। जिसे सत्ताधीशों द्वारा बदले की भावना से की कार्रवाई बताया जाता रहा है। आरोप लगाया जाता रहा है कि सत्तारूढ़ दल की विचारधारा के अनुरूप अमर्यादित अभिव्यक्ति पर कोई एक्शन नहीं लिया जाता। लेकिन दूसरे राज्य में अन्य राजनीतिक दल की सरकार में यही अभिव्यक्ति अपराध बन जाती है। कहा जाता रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी द्वारा किसी मर्यादा को भंग करना घटिया या आपत्तिजनक तो हो सकता है लेकिन इसे अपराध की श्रेणी में नहीं रखा जाना चाहिए। इसे कानून के आलोक में देखा जाना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि विभिन्न राजनीतिक दलों व संगठनों द्वारा सोशल मीडिया मंच का जमकर दुरुपयोग किया जाता रहा है। वहीं लोगों का कसूर यह है कि दल विशेष के एजेंडे वाली सामग्री को वे बिना पढ़े, दूसरे लोगों व समूहों में शेयर कर देते हैं। दरअसल,आम नागरिकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि सोशल मीडिया पर उनका संयमित व्यवहार कैसा होना चाहिए। बहुत से लोगों को यह पता नहीं होता है कि सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही सामग्री की कितनी संवेदनशीलता है। कई लोग जाने–अनजाने में ऐसी सामग्री दूसरे व्यक्तियों व समूहों में शेयर कर देते हैं जो समाज विरोधी हो सकती है। दरअसल, वे उसकी मूल सामग्री को बनाने वाले के छिपे एजेंडे को नहीं भांप पाते। कभी–कभी भावावेश में लोग ऐसे कदम उठा देते हैं। निस्संदेह, कोई भी व्यक्ति भावनात्मक दुर्बलताओं से मुक्त नहीं होता, लेकिन फिर भी उसे शेयर की जा रही सामग्री की तार्किकता पर मंथन जरूर करना चाहिए। दरअसल, सोशल मीडिया आज एक ऐसा अस्त्र बन गया है जो जरा सी चूक से घातक साबित हो सकता है। वास्तव में हर नागरिक को इतना सचेत व जागरूक होना जरूरी है कि वह विभिन्न स्रोतों से आने वाली सामग्री से जुड़ी मंशा को समझ सके। निस्संदेह, संयमित, तार्किक व सतर्क प्रतिक्रिया से हम अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकार का आनन्द ले सकते हैं।

समोसे-जलेबी पर सरकारी फरमान

डॉ. दीपक पाचपोर

स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी सरकारी संस्थानों को कहा है कि कैफेटेरिया और सार्वजनिक जगहों पर ऐसे बोर्ड लगाए जाएं, जो सबसे प्रचलित भारतीय नाश्ते में छिपी चीनी और तेल की मात्रा दिखाएं।

सिगरेट और शराब को लेकर वैधानिक चेतावनी दी जाती है कि इनका सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। अब मोदी सरकार समोसे और जलेबी पर भी ऐसी ही चेतावनी जारी करने का फरमान निकाल चुकी है। जल्द ही देश के सभी सरकारी संस्थानों में जल्द ही ऐसे बोर्ड लगाए जाएंगे जो साफ बताएंगे कि आपकी प्लेट में आया समोसे और जलेबी का स्वाद असल में कितना चीनी और तेल लेकर आया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी सरकारी संस्थानों को कहा है कि कैफेटेरिया और सार्वजनिक जगहों पर ऐसे बोर्ड लगाए जाएं, जो सबसे प्रचलित भारतीय नाश्ते में छिपी चीनी और तेल की मात्रा दिखाएं। इनका मकसद लोगों को यह बताना है कि वे जो कुछ भी खा रहे हैं वह स्वाद में भले लाजवाब हो, लेकिन सेहत के लिए कितना भारी पड़ सकता है। एम्स नागपुर के अधिकारियों ने इसे फूड लेबलिंग में एक नया मोड़ कहा है, कि अब खाने के साथ भी उतनी ही गंभीर चेतावनी दिखेगी, जैसी सिगरेट पर होती है। पाठकों को बता दें कि तले हुए और मीठे खाद्य पदार्थों के लिए ऐसी चेतावनी जारी हो सकती है। उदाहरण के तौर पर समोसा, जलेबी, पकौड़े, वड़ा पाव, गुलाब जामुन, लड्डू, खस्ता कचौरी, मिठाइयों की थालियां इन सबके सेवन पर कितनी शक्कर और तेल आपके शरीर में जाएगा, इस बारे में बाकायदा बोर्ड पर सूचना लगी होगी। इस पूरी मुहिम को देश की स्वास्थ्य समस्या के निदान के तौर पर पेश किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि अमेरिका की तरह भारत में मोटापा एक बड़ी समस्या बन चुका है। देश में हर पांचवां शहरी वयस्क बढ़े वजन का शिकार है। 2050 तक देश में लगभग 45 करोड़ लोग मोटापे से ग्रसित होंगे, ऐसी आशंका है। बच्चों में भी मोटापा और डायबिटीज तेजी से बढ़ रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है तेल, ट्रांस फैट और चीनी से भरे खाद्य पदार्थों के खाने का चलन बढ़ा है। कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की नागपुर शाखा के अध्यक्ष अमर अमले ने कहा है कि यह फूड लेबलिंग की शुरुआत है जो सिगरेट की चेतावनियों जितनी गंभीर होती जा रही है। चीनी और ट्रांस फैट नए तंबाकू हैं लोगों को यह जानने का हक है कि वे क्या खा रहे हैं। वैसे मोटापे पर यह चिंता मोदीजी की मुहिम से ही निकली हुई दिख रही है। इस साल फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में मोटापे की गंभीर समस्या का जिक्र करते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट का हवाला दिया था कि 2022 में दुनिया भर में 250 करोड़ लोग जरूरत से ज्यादा वजन के शिकार थे। इसके बाद मोदीजी ने खाने में कम तेल इस्तेमाल करने की सलाह दी और मोटापे के खिलाफ लड़ाई में आनंद महिंद्रा (उद्योगपति), निरहुआ हिंदुस्तानी (अभिनेता), मनु भाकर (ओलंपिक पदक विजेता), साइखोम मीराबाई चानू (भारोत्तोलक), मोहनलाल (अभिनेता), नंदन नीलेकणी (इन्फोसिस के सह–संस्थापक), आर. माधवन (अभिनेता), श्रेया घोषाल (गायिका), सुधा मूर्ति (राज्यसभा सांसद) और ओमर अब्दुल्ला (मुख्यमंत्री जम्मू–कश्मीर) को नामित किया था कि वे आगे इसी तरह 10 और लोगों को नामित करें और मोटापे के खिलाफ लड़ाई को आगे बढ़ाएं। पीएम मोदी ने इसे व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पारिवारिक जिम्मेदारी बताया था। उन्होंने मोटापा खत्म करने के लिए तेल की खपत कम करने की अपील की थी। भारत जैसे देश में, जहां कुपोषण एक गंभीर समस्या है, पहले नरेन्द्र मोदी और अब मोदी सरकार का यह अभियान फ्रांस की रानी की सलाह की तरह लगता है कि गरीबों के पास खाने के लिए रोटी नहीं है, तो वे केक खा लें। वैसे नरेन्द्र मोदी चाहें तो इस अभियान को अपनी उपलब्धि के तौर पर भी पेश कर सकते हैं कि 2014 में उन्होंने ऐलान किया था कि 2022 तक भारत को कुपोषण से मुक्त करेंगे और अब कुपोषण नहीं मोटापे से मुक्ति की लड़ाई छिड़ गई है। वैसे सरकार को आईना दिखाने के लिए यह तथ्य काफी है कि देश में अगर मोटापा शहरों और संपन्न तबकों में बढ़ा है, तो उसके साथ कुपोषण की समस्या और गंभीर हुई है। पिछले साल ही मोदी सरकार ने संसद में बताया है कि देश में 5 साल से कम उम्र के करीब 60प्रतिशत बच्चे गंभीर कुपोषण से पीड़ित हैं। आंकड़ों के मुताबिक 5 साल तक की उम्र के 36प्रतिशत बच्चे बौने हैं, 17प्रतिशत बच्चे कम वजन के हैं और 6प्रतिशत बच्चे दुबलेपन का शिकार हैं। आंकड़े यह भी बताते हैं कि बच्चों के बौनेपन में उत्तरप्रदेश पहले स्थान पर था और कम वजन वाले बच्चों में मध्य प्रदेश सबसे आगे है। वहीं पिछले साल ही संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) और यूनिसेफ सहित चार अन्य संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों द्वारा जारी रिपोर्ट शविश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थितिश (एसओएफटी) में यह बात सामने आई है कि भारत में 19.5 करोड़ कुपोषित लोग हैं– जो दुनिया के किसी भी देश में सबसे ज्यादा है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आधे से ज्यादा भारतीय 55.6प्रतिशत भारतीय याने कि 79 करोड़ लोग अभी भी पौष्टिक आहार का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भी भारत नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका से भी सबसे निचले पायदान पर रहा है। भारत में पांच साल से कम उम्र के बच्चों में मृत्यु दर प्रति 1,000 बच्चों पर 37 है, जिसमें 69 प्रतिशत मौतें कुपोषण के कारण होती हैं। देश में 6 से 23 महीने की उम्र के केवल 42 प्रतिशत बच्चों को ही पर्याप्त अंतराल पर जरूरी भोजन मिल पाता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण–4 के आंकड़ों के अनुसार, आदिवासियों और दलितों में कुपोषण की दर भारत में सबसे अधिक है। एक तरफ धनपति अंबानी के घर में शादी पर ही 5000 करोड़ रुपये खर्च हो गए, जिनसे पूरे हिंदुस्तान को एक साल तक खाना खिलाया जा सकता है।

बिहार तो बस झांकी है, पूरा देश बाकी है!

अनिल जैन

एक समय था जब भारत के चुनाव आयोग की दुनिया भर में साख थी। ऐसी साख कि दुनिया के जिन देशों में संसदीय लोकतंत्र पहले से है या जिन्होंने बाद में उसे अपनाया, वे सारे भारतीय चुनाव आयोग को निमंत्रण देकर अपने यहां बुलाते थे और अनुरोध करते थे कि वह आए और उनके यहां के चुनाव अधिकारियों को प्रशिक्षित करे कि निष्पक्ष चुनाव कैसे कराए जाते हैं। ऐसे अनुरोधों पर भारत का चुनाव आयोग अपने अधिकारियों का दल संबंधित देशों में भेजता भी था। कई देश भारत में चुनाव के समय अपने यहां के चुनाव अधिकारियों को भारत के दौरे पर भेजते थे, यह देखने के लिए भारत का चुनाव आयोग कैसे चुनाव कराता है। यह सिलसिला अब बंद हो चुका है, क्योंकि भारत का चुनाव आयोग अपनी साख पूरी तरह गंवा चुका है। कहने को तो चुनाव आयोग अभी भी एक स्वायत्त संवैधानिक निकाय है लेकिन पिछले एक दशक से वह व्यावहारिक तौर पर भारत सरकार के गृह मंत्रालय और कानून मंत्रालय के तहत काम करने वाले एक विभाग में तब्दील हो गया है। इसकी ताजा मिसाल बिहार में देखी जा सकती है, जहां चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनाव से चार महीने पहले मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का अभियान शुरू किया है, जो स्पष्ट रूप से एक तर्कहीन और हास्यास्पद तमाशे से ज्यादा कुछ नहीं है। चूंकि चुनाव आयोग की नीयत साफ नहीं है, इसलिए उसने अपनी इस कवायद पर बिहार के विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों की आपत्तियों को भी सिरे से खारिज कर दिया है। आगामी विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी की राह आसान करने के लिए केंद्र सरकार के इशारे पर हो रहे इस तमाशे का स्पष्ट मकसद बड़ी संख्या में गरीब, वंचित अल्पसंख्यक तबके के लोगों को मतदाता सूची से बाहर करना है। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर चुनाव आयोग बिहार के लोगों से उनकी नागरिकता का प्रमाणपत्र मांग रहा है। इस सिलसिले में उसका कहना है कि आधार कार्ड, मनरेगा कार्ड और राशन कार्ड के आधार पर कोई भी व्यक्ति मतदाता सूची में नाम नहीं दर्ज करा सकता। इन तीन के अलावा चुनाव आयोग ने 11 दस्तावेजों की सूची जारी की है, जिनके आधार पर मतदाता सूची में नाम दर्ज होगा। इन 11 में से कोई एक दस्तावेज मतगणना प्रपत्र के साथ जमा कराना है। इनमें सरकारी नौकरी या संपत्ति आदि के दस्तावेजों को छोड़ दें तो कई दस्तावेज ऐसे हैं, जिन्हें बनवाने के लिए आधार कार्ड प्रस्तुत करना होता है। यानी आधार कार्ड के सहारे कोई व्यक्ति जो दस्तावेज बनवाएगा, उनसे वह मतदाता बन सकता है लेकिन सीधे आधार कार्ड के आधार पर मतदाता नहीं बन सकता। गौरतलब यह है कि बिहार में आवास प्रमाणपत्र बनवाने के लिए आधार कार्ड ही एकमात्र दस्तावेज है। यानी कोई आधार लेकर जाएगा तो उसका आवास प्रमाणपत्र बन जाएगा और वह आवास प्रमाणपत्र चुनाव आयोग की ओर से वांछित 11 दस्तावेजों में से एक है। यानी उसे जमा करा कर कोई भी व्यक्ति मतदाता बन सकता है। पिछले 15 दिनों में लाखों लोगों ने आधार कार्ड के जरिए अपना आवास प्रमाणपत्र बनवाने का आवेदन किया है। इनमें से 10 फीसदी के भी प्रमाणपत्र 25 जुलाई तक नहीं बन पाएंगे। इससे जाहिर है कि चुनाव आयोग ने लोगों को परेशान करने के लिए यह कवायद शुरू की है। अगर आधार कार्ड के जरिये आवास प्रमाणपत्र बन सकता है और उससे मतदाता सूची में नाम दर्ज हो सकता है तो फिर सीधे आधार कार्ड के दम पर मतदाता बनाने में क्या समस्या है? मतदाता पहचान पत्र नहीं होने पर जिन मान्य दस्तावेजों के आधार पर मतदान करने की इजाजत है उनमें आधार और मनरेगा कार्ड दोनों हैं। लेकिन बिहार में इन दोनों के आधार पर मतदाता सूची में नाम नहीं दर्ज किया जा रहा है। हालांकि इन दोनों के आधार पर देश के दूसरे हिस्सों में मतदाता पहचान पत्र बनाया जा सकता है। कायदे से चुनाव आयोग को अगर यह काम करना ही था तो इसकी शुरुआत जनवरी में करनी थी, मतदाताओं को पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए था और राजनीतिक दलों को भी भरोसे में लेना था। 22 साल पहले 2003 में भी चुनाव आयोग ने यह काम किया था, जिसमें उसे दो साल लगे थे लेकिन इस बार चुनाव आयोग ने वही काम करने के लिए एक महीने की अवधि निर्धारित की है। जाहिर है कि चुनाव आयोग मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर जो कुछ कर रहा है, उसके पीछे उसकी नीयत साफ नहीं है। चुनाव आयोग कह रहा है कि जन्म प्रमाणपत्र नहीं दे पाने वाले लोगों का मतदाता सूची से सिर्फ नाम ही नहीं हटाया जाएगा, बल्कि उनकी नागरिकता संदिग्ध होने की सूचना भी सरकार को दी जाएगी। इससे विपक्षी पार्टियों की यह आशंका सही साबित हो रही है कि चुनाव आयोग के जरिए सरकार राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी का काम करवा रही है। यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिये मतदाताओं का सत्यापन नहीं, बल्कि लोगों की नागरिकता का सत्यापन हो रहा है। इसीलिए बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम काटे जाने की आशंका जताई जा रही है। चुनाव आयोग की इस कवायद पर जो सवाल विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों ने उठाए हैं, वही सवाल इस कवायद को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने भी चुनाव आयोग से किए। हैरानी की बात है कि अपने सवालों का कोई तार्किक और संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने इस कवायद पर रोक लगाने के बजाय आधार कार्ड, मनरेगा कार्ड और राशन कार्ड को भी वैध दस्तावेज के तौर पर स्वीकार करने की सलाह देते हुए चुनाव आयोग को अपना अभियान जारी रखने की इजाजत दे दी। चुनाव आयोग का दावा है कि बिहार के 50 फीसदी से ज्यादा मतदाताओं ने मतगणना प्रपत्र भरकर जमा करा दिये हैं। दूसरी ओर कुछ गैर सरकारी संगठनों की ओर से कराए गए सर्वे बता रहे हैं कि आधे से ज्यादा लोगों को प्रपत्र मिला ही नहीं है। या मिला भी है तो सिर्फ एक प्रति में। इस तमाशे को लेकर एक और खुलासा हुआ है, जिससे चुनाव आयोग की स्थिति हास्यास्पद बनती है। हालांकि इससे आयोग पर कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि वह पूरी तरह शर्मनिरपेक्ष हो चुका है। पता चला है कि चुनाव आयोग ने जिन 11 दस्तावेजों के आधार पर लोगों को मतदाता बनाने का फैसला किया है, उनमें से तीन में जन्म तिथि या निवास का पता लिखा ही नहीं होता है और दो दस्तावेज बिहार में नहीं बनते हैं। बिहार में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के प्रमाणपत्र, वन अधिकार प्रमाणपत्र निवासी प्रमाणपत्र पर या तो जन्म की तिथि नहीं होती या निवास का पता नहीं लिखा होता है। ये दो चीजें ही मतदाता बनने के लिए चाहिए। फिर इन तीन में से किसी एक दस्तावेज के आधार पर कोई मतदाता कैसे बन पाएगा? इसके अलावा दो दस्तावेज हैं एनआरसी और फैमिली रजिस्टर। इन दोनों दस्तावेजों का बिहार में अस्तित्व ही नहीं है। चूंकि चुनाव आयोग आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड, मनरेगा कार्ड को मान्यता नहीं दे रहा है तो उसने मान्य दस्तावेजों की सूची लंबी करने के लिए इनको भी जोड़ दिया है। जाहिर है कि चुनाव आयोग बिहार की जमीनी हकीकत से पूरी तरह अनजान है। वह अपनी साख और मंशा पर उठने वाले सवालों की चिंता से भी पूरी तरह मुक्त है, क्योंकि उसे मालूम है कि सत्तारूढ़ पार्टी के प्रवक्ताओं की फौज और सरकारी प्रचार तंत्र का हिस्सा बन चुका मीडिया उसके हर काम को न्यायसंगत ठहराने के लिए हर दम मौजूद है। कुल मिलाकर बिहार में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण मतदाताओं के नाम काटने का अभियान है। मतदाता जोड़ने की प्रक्रिया निरंतर जारी रहती है।

किसको लाभ देगा गहन मतदाता सर्वे

अरविन्द मोहन

खबर है कि बिहार भाजपा के सांगठनिक सचिव भीखू भाई दलसानिया ने राज्य भाजपा के 23 पदाधिकारियों के साथ पटना में बैठक की और मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में बूथ स्तर पर पार्टी के लोगों की सक्रियता सुनिश्चित करने को कहा। ऐसा इस अभियान से हो सकने वाले संभावित नुकसान को रोकने के लिए किया जा रहा है। इस पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष हंगामा मचा रहा है और सुप्रीम कोर्ट में 26 याचिकाएं दाखिल हैं। उल्लेखनीय है कि किसी ने भी इस प्रक्रिया पर रोक कई मांग नहीं की है। अदालत ने एक बार की सुनवाई में सरकारी वकील से कई बातों का स्पष्टीकरण मांगने के बाद मतदाता पहचान पत्र बनाने में आधार कार्ड, पुराने मतदाता पहचानपत्र और राशन कार्ड को भी विचार के लिए शामिल करने का सुझाव दिया जिन्हे चुनाव आयोग ने मतदाता पहचान के लिए आवश्यक 11 दस्तावेजों में शामिल नहीं किया था। इसे ही लेकर सबसे ज्यादा विवाद रहा है। आयोग और उसके समर्थन में भाजपा के लोग यह कहते रहे हैं कि मतदाता का नागरिक होना आवश्यक है और ये प्रमाणपत्र पुख्ता रूप से नागरिकता साबित नहीं करते। फिर फर्जी आधार कार्ड, मतदाता पहचानपत्र, राशन कार्ड, इनकी सूची से चालीस–चालीस लाख फर्जी नाम निकाले जाने या की जिलों में मतदाताओं की तुलना में आधार कार्ड कई संख्या ज्यादा होने जैसी दलीलें दी जाती रही हैं। और बात घूम फिर कर मतदाता बनाम नागरिकता की बहस और बांग्लादेशी–रोहिंगिया घुसपैठ, हिन्दू–मुसलमान और इससे देश को खतरे पर आ गई है। भाजपा मानकर चलती है कि उसे मुसलमानों का वोट लगभग नहीं मिलता। विपक्ष अर्थात कांग्रेस और आरजेडी मुसलमान वोट को अपना आधार मानते हैं। उनका इसके लिए चिंतित होना एक तात्कालिक जरूरत है। और महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली वगैरह में मतदाता सूची में छेड़छाड़ का आरोप लगाने वाला विपक्ष इस बार शुरू से बहुत चौकस रहा है–शोर मचाने से लेकर बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना और अदालत का दरवाजा खटखटाने तक। इसीलिए यह मसाला जल्दी चर्चा में आया और यह पूरी प्रक्रिया सबकी नजर में है। इसमें जब कोई पत्रकार अजीत अंजुम सूची नया करने वालों को बिना प्रशिक्षण मैदान में उतारने और इस प्रक्रिया में दोष की खबर देते हैं तो उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज हो जाता है। बिहार ही क्यों बंगाल भी इस सर्वेक्षण के सवाल पर अभी से गरमाने लगा है। गांव–गांव में खलबली मची है क्योंकि जन्म और निवास प्रमाणपत्र हासिल करना आसान नहीं है और जब करोड़ों लोग बाहर काम करने निकलें हों तो यह काम और मुश्किल हो गया है। दूसरी ओर चुनाव आयोग और सरकार जल्दी–जल्दी यह काम निपटाने और कितनी जल्दी अस्सी या पचासी फीसदी मतदाताओं का फार्म आ गया यह बताने का अभियान चला रही है। इससे विपक्षी अभियान तो मद्धिम नहीं पड़ा है लेकिन लोजपा और जदयू जैसे सहयोगी दल उलझन में हैं और अब खबर है कि खुद भाजपा नुकसान को लेकर डरने लगी है। अब इस प्रक्रिया का अंत तो मतदाता सूची के प्रकाशन, आपत्तियों के निपटान और कुछ मुकदमे–सुनवाई जैसी सामान्य विधि में ही होनी है। और इस लेखक जैसे काफी लोगों का मानना है कि इस सघन अभियान से सूची पर कुछ भी बड़ा फरक नहीं होगा। सारे नाम वापस आएंगे और नए नाम भी सुविधा से जोड़े जाएंगे। अगर कुछ हुआ है तो नागरिकता और हिन्दू–मुसलमान का मुद्दा राजनैतिक डिस्कोर्स में नए तरह से उठा है और इसके अपने नफा–नुकसान हैं। लेकिन असली नुकसान आयोग और देश की उस बड़ी योजना को होने जा रहा है जिसमें अगले साल तक देश के सभी मतदाताओं की पहचान और उनके फोटो पहचान को नई तकनीक के माध्यम से मिलाकर पक्का रूप दे देना था। बिहार में जिस तरह से अप्रशिक्षित लोग फार्म भर रहे हैं, वे अपना काम दूसरे लोगों से करा रहे हैं, फार्म के साथ लगाने वाले दस्तावेज और फोटो में जिस तरह कई लापरवाही सुनाई दे रही है उससे साफ लगता है कि आयोग की तैयारी आधी–अधूरी है, उसने बहुत कम समय में यह काम पूरा करने का लक्ष्य रखा है, वह विपक्षी हंगामे के दबाव में है और संभवतरू उससे भी ज्यादा शासक दल के दबाव में काम कर रहा है। राजनैतिक हंगामे के बाद दिल्ली, हरियाणा और महाराष्ट्र की तरह नाम काटना और जोड़ना भी संभव नहीं होगा जो आरोप विपक्ष लगा रहा है। बात सिर्फ विपक्ष के आरोप या राहुल गांधी द्वारा चुनाव बीतने के काफी बाद दिए जाने वाले आंकड़ों भर की नहीं है। खुद आयोग के आंकड़े भी इस अभियान की मंशा और प्रासंगिकता पर सवाल उठा रहे हैं। सामान्य ढंग यही रहा है कि हर साल डेढ़ से दो करोड़ नए मतदाता नई सूची में आ जाते है। नए मतलब उम्र में वोटर बनने वाले लड़के–लड़कियों को जोड़ने और इस बीच दुनिया या शहर,गांव छोड़कर नई जगह जाने वालों की गिनती घटाने के बाद मिली संख्या। पर इधर आबादी की वृद्धि दर में कोई बाद बदलाव नोटिस नहीं किया गया है लेकिन 2023 से मतदाता सूची का आकार 18 लाख घट गया है। जाहिर तौर पर इतने ज्यादा नाम काटने की कोई वजह, या उनको दिए गए नोटिस या सुनवाई की खबर भी नहीं आई है। अर्थात नाम अपनी तरफ से काट दिए गए और कोई वैधानिक औपचारिकता भी पूरी नहीं की गई। इसी बिहार में फार्म भरे जाने के बाद मांगे जाने पर भी कही से भी पावती दिए जाने की खबर नहीं है। हालांकि संसद में सरकार ने पिछली बार मात्र तीन बांग्लादेसी लोगों के नाम मतदाता सूची में आने और पकड़े जाने की कई बात मानी थी लेकिन यह राजनैतिक हंगामा मचता है। बिहार और आगे बंगाल में भी यह शोर मचेगा। लेकिन इसी हड़बड़ी, इसी तरह के दबाव और बिहार जितनी कम तैयारी के साथ अगर गहन पुनरीक्षण किया जाता रहा तो यह सचमुच की शुद्ध सूची बनाने के घोषित उद्देश्य के खिलाफ ही जाएगा। सो एक बड़ा नुकसान तो इतनी उन्नत तकनीक और इतने साधनों की बर्बादी के बावजूद कोई लाभ हासिल न होना ही होगा। उससे भी ज्यादा मतदाता बनाम नागरिक का व्यर्थ का विवाद छेड़ने, मामले को सांप्रदायिक रंग देने, दोनों समुदायों में द्वेष बढ़ाने और नागरिकता के सवाल का मजाक बना देना होगा। असम में हम ऐसा उलझाव देख रहे हैं जो वर्षों से वैसे ही पड़ा है और हर चुनाव में इस्तेमाल होता है। अब अगर बिहार और फिर बंगाल में ऐसा हुआ तो देश का एक बड़ा हिस्सा खुद ब खुद एक जाल में फंसेगा जो हर किसी की नागरिकता को संदिग्ध बना देगा। और जैसा भाजपा के प्रभारी पदाधिकारी को भी लग रहा है कि यह सवाल उसे लाभ देने की जगह घाटा दे सकता है तो मामले की गंभीरता समझनी चाहिए। और दुनिया में सबसे ज्यादा ताकतवर चुनाव एजेंसी बनकर भी आयोग अगर इस तरह के फैसले करेगा, ऐसे काम करेगा तो उसकी मर्यादा और शक्ति दोनों का ह्रास होगा ही।

सिनेमा से लेकर सियासी दुनिया का बड़ा नाम हैं रवि किशन, आज मना रहे 56वां जन्मदिन

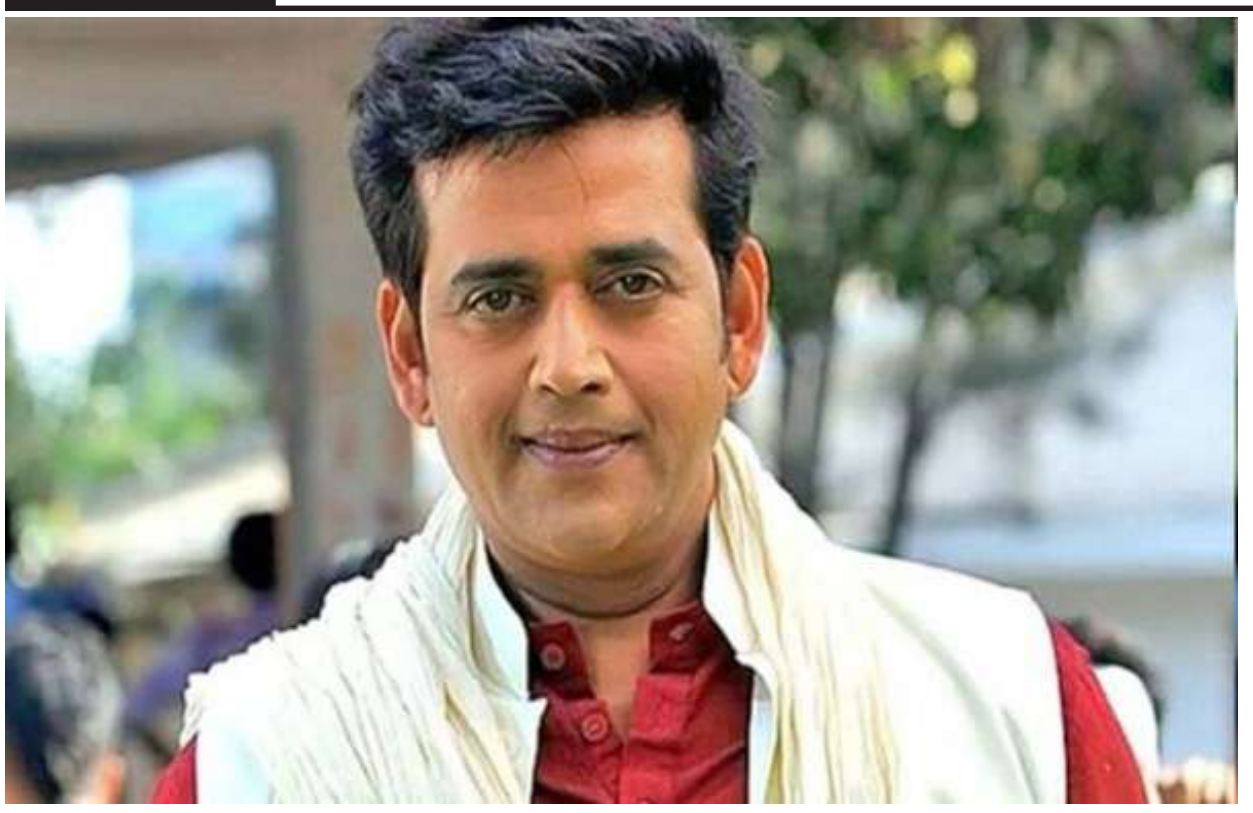

बॉलीवुड एक्टर और भोजपुरी सुपरस्टार रवि किशन आज यानी की 17 जुलाई को अपना 56वां जन्मदिन मना रहे हैं। रवि किशन ने सिनेमा से लेकर सियासत की दुनिया तक राज किया है। फिल्मों में रवि किशन अपनी दमदार आवाज और शानदार अभिनय का लोहा मनवा चुके हैं। रवि किशन करीब 237 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं और वह ओटीटी पर भी राज करते हैं। इसके अलावा वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संसदीय क्षेत्र गोरखपुर से सांसद भी हैं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर अभिनेता और सांसद रवि किशन के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में 17 जुलाई 1969 को रवि किशन का जन्म हुआ था। गोरखपुर से मुंबई जाने तक का उनका सफर आसान नहीं रहा। हालांकि रवि किशन को बचपन से ही एक्टिंग का शौक था। वह मोहल्ले में होने वाली रामलीला में मां सीता का रोल प्ले करते थे। जबकि उनके पिता इसके खिलाफ थे।

फिल्मी सफर

अभिनेता रवि किशन ने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत फिल्म पीतांबर से की थी। लेकिन कुछ कारणों के चलते यह फिल्म रिलीज नहीं हो सकी थी। जब हिंदी फिल्मों में रवि किशन को सफलता नहीं मिली, तो अभिनेता ने भोजपुरी फिल्मों में काम करना शुरूकर दिया। रवि किशन ने सैंया हमार, गंगा, कब होई गवना हमार, गब्बर सिंह, बांके बिहारी, दूल्हा मिलल दिलदार जैसी कई शानदार भोजपुरी फिल्मों में काम किया है। रवि किशन भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार हैं। इसके बाद वह बॉलीवुड फिल्मों में सपोर्टिंग रोल में नजर आने लगे। लेकिन रवि किशन को बॉलीवुड में असली पहचान सलमान खान की फिल्म श्तेरे नामश से मिली। इस फिल्म में रवि किशन के रोल को काफी ज्यादा पसंद किया गया था। वहीं फिल्म हेरा फेरी में भी रवि किशन के रोल को काफी ज्यादा पसंद किया गया था।

ओटीटी पर भी किया राज

भोजपुरी और बॉलीवुड के अलावा रवि किशन ने ओटीटी पर भी अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। आमिर खान प्रोडक्शन में बनी फिल्म श्लापता लेडीजश में रवि किशन के रोल की जमकर तारीफ हुई थी। इस फिल्म में वह पुलिस वाले के रोल में दिखे थे। इस फिल्म के लिए रवि किशन को बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड भी मिला था। वहीं अभिनेता ने कई वेब शो जैसे रंगबाज, खाकीरू द बिहार चौप्टर, हंसमुख, मत्स्य कांड जैसी बेहतरीन वेब सीरीज की हैं।

> फिल्मों में रवि किशन अपनी दमदार आवाज और शानदार अभिनय का लोहा मनवा चुके हैं। रवि किशन करीब २३७ से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं और वह ओटीटी पर भी राज करते हैं। इसके अलावा वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संसदीय क्षेत्र गोरखपुर से सांसद भी हैं।

सियासी दुनिया में करते हैं राज

सिनेमा के साथ ही वह सियासी दुनिया का भी बड़ा नाम बन गए हैं। रवि किशन वर्तमान समय में गोरखपुर से सांसद हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सानिध्य में गोरखपुर से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की।

कभी प्यार से गालों को चूमा तो कभी बाहों में भरा..कैटरीना के बर्थडे पर विक्की का पोस्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ आज यानि 16 जुलाई को अपना 41वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर पति विक्की कौशल ने भी अपने इंस्टाग्राम पर कैट की कुछ अनसीन फोटोज शेयर कीं।कुछ तस्वीरों में कैटरीना अकेली तो कुछ में विक्की के साथ नजर आ रही हैं। इस तस्वीर में विक्की कैटरीना के गालों को चूमते दिख रहे हैं। वहीं कैटरीना कैमरे में पोज दे रही हैं। ये तस्वीर में कैटरीना बीच किनारे पोज दे रही हैं। इन तस्वीरों के साथ विक्की ने लिखा–हेलो बर्थडे गर्ल! आई घ्व यू। फैंस विक्की की इस पोस्ट को काफी पसंद कर रहे हैं। विक्की कौशल और कैटरीना कैफ ने 9 दिसंबर 2021 को शादी की थी। शादी के बाद से ही दोनों कपल्स गोल्स देते रहते हैं।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में फिर दिखेगा लव ट्रायंगल!! स्मृति इरानी के साथ बरखा बिष्ट ने भी ज्वाइन किया शो

प्रतिष्ठित भारतीय टेलीविजन शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' एक नए सीज़न के साथ वापसी करने के लिए तैयार है। ताज़ा खबर यह है कि लोकप्रिय टीवी अदाकारा बरखा बिष्ट इस रीबूट में शामिल होंगी। हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक साक्षात्कार में, बिष्ट ने इस परियोजना के प्रति अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए कहा, हाँ, मैं इस शो में शामिल हो रही हूँ। हालाँकि उन्होंने अपनी भूमिका के बारे में कुछ भी बताने से परहेज किया और कहा, ष्मैं अभी इस भूमिका के बारे में ज़्यादा कुछ नहीं बता सकती।

अदाकारा बरखा बिष्ट इस शो में नई सदस्य

बरखा ने अपनी भागीदारी की पुष्टि करते हुए कहा, हाँ, मैं इस शो में शामिल हो रही हूँ, लेकिन अपने किरदार के बारे में कुछ भी नहीं बताया। उन्होंने आगे कहा, मैं अभी इस भूमिका के बारे में ज़्यादा कुछ नहीं बता सकती। अदाकारा ने कहा कि वह इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं करना चाहेंगी कि वह किस तरह का किरदार निभा रही हैं, क्योंकि खबरों के अनुसार वह शो में अमर उर्फ मिहिर विरानी की प्रेमिका का किरदार निभाएँगी। बरखा कसौटी ज़िंदगी की, तेनाली रामा और शादी मुबारक जैसे लोकप्रिय शोज़ का हिस्सा रही हैं। उन्होंने रणबीर सिंह और कैटरीना कैफ की फिल्म राजनीति (2010) से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

एकता कपूर ने 'क्योंकि' को वापस लाने के पीछे की वजह पर एक लंबी पोस्ट लिखी

हाल ही में, एकता कपूर ने इस शो को वापस लाने पर अपनी प्रतिक्रिया साझा की। एक लंबी पोस्ट में, उन्होंने बताया, क्योंकि, अभी क्यों? जब क्योंकि सास भी कभी बहू थी के 25 साल पूरे होने वाले थे और इसे दोबारा शुरू करने का विचार आया, तो मेरी पहली प्रतिक्रिया नहीं थी। मैं पुरानी यादों को क्यों झकझोरना चाहूँगी? आप पुरानी यादों से कभी मुकाबला नहीं कर सकते। यह हमेशा सर्वोच्च रहती है। मैं अपने बचपन को कैसे याद करती हूँ और वह वास्तव में कैसा था, यह हमेशा अलग रहेगा। साथ ही, टेलीविज़न का क्षेत्र भी बदल गया है। कभी 9 शहरों पर निर्भर रहने वाले दर्शक अब अलग–अलग प्लेटफ़ॉर्म पर बिखरे हुए, टुकड़ों में सामग्री देखते हैं। क्या इससे 'क्योंकि' की विरासत हिल जाएगी, वह प्रतिष्ठित टीआरपी जो पहले और बाद में किसी ने हासिल नहीं की? लेकिन क्या यह सचमुच शो की विरासत थी? क्या यह सिर्फ़ ज़्यादा नंबर पाने वाला एक शो था? एक अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा किए गए शोध ने एक बार निष्कर्ष निकाला था कि इस शो ने भारतीय घरों में महिलाओं को आवाज़ दी। 2000 और 2005 के बीच, पहली बार महिलाओं ने पारिवारिक चर्चाओं में भाग लेना शुरू किया, यह बदलाव भारतीय टेलीविज़न, खासकर 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से गहराई से प्रभावित था। और 'कहानी घर घर की'।

वाईआरएफ ने जारी किया वॉर 2 का नया पोस्टर– 30 दिन का काउंटडाउन शुरू

यशराज फिल्म्स की सबसे बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म वॉर 2 अब महज 30 दिन दूर है! वाईआरएफ स्पाय यूनिवर्स का यह धमाकेदार चौप्टर इस साल की सबसे बड़ी एक्शन स्पेक्टेकल साबित होने जा रहा है। अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित इस मेगा–प्रोजेक्ट में ऋतिक रोशन, एनटीआर जूनियर और कियारा आडवाणी की तिकड़ी पहली बार एक साथ नजर आएगी। फिल्म 14 अगस्त को हिंदी, तेलुगु और तमिल में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वाईआरएफ ने हाल ही में वॉर 2 का नया पोस्टर जारी किया है जिसमें तीनों स्टार्स का दमदार लुक देखने को मिल रहा है। इस पोस्टर के साथ फिल्म के 30 दिन के काउंटडाउन की औपचारिक शुरुआत हो चुकी है, और फैंस के बीच उत्साह चरम पर है। यह फिल्म वाईआरएफ स्पाय यूनिवर्स की सबसे बड़ी टक्कर पेश करने वाली है कृ और माना जा रहा है कि यह पठान और टाइगर की विरासत को एक नए स्तर पर ले जाएगी।

'बैटल ऑफ गलवान' शारीरिक रूप से अब तक की सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण फिल्म, सलमान खान का खुलासा

सलमान खान अपनी अगली फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की रिलीज़ के लिए तैयार हैं। अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित यह फिल्म लद्दाख की गलवान घाटी में 2020 में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई भीषण झड़प पर आधारित है। सलमान ने हाल ही में बताया कि फिल्म में उनका किरदार शारीरिक रूप से कितना चुनौतीपूर्ण है। अभिनेता सलमान खान की मानें तो आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' शारीरिक रूप से उनके करियर की अब तक की सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण फिल्मों में से एक है। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 2020 में भारत और चीन के सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हुए संघर्ष पर आधारित है और इसका निर्देशन 'शूटआउट एट लोखंडवाला' से मशहूर हुए अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "यह शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण है। हर साल, हर महीने, हर दिन यह और भी मुश्किल होता जा रहा है। मुझे अब (प्रशिक्षण के लिए) ज्यादा समय देना होगा। पहले, मैं इसके (प्रशिक्षण) लिए एक या दो सप्ताह का समय लेता था, अब मैं दौड़ लगा रहा हूं और वह सबकुछ कर रहा हूं जिसकी जरूरत है।'' खान ने 'पीटीआई–भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, "उदाहरण के लिए 'सिकंदर' में एक्शन अलग था, किरदार अलग था। लेकिन यह शारीरिक रूप से कठिन है।

द बंगाल फाइल्स के 11 शहरों में प्रीमियर टूर के लिए रवाना हुए विवेक रंजन अग्निहोत्री और पल्लवी जोशी

द बंगाल फाइल्स के 11 बड़े यूएस प्रीमियर इन शहरों में होंगे जिसमें न्यू जर्सी, वॉशिंगटन डीसी, रैले, अटलांटा, टैम्पा, फीनिक्स, लॉस एंजिलिस, एसएफ बे एरिया, डेट्रॉयट, शिकागो और ह्यूस्टन का नाम शामिल है!विवेक रंजन अग्निहोत्री की द बंगाल फाइल्स इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। टीजर ने सभी को चौंका दिया है और मेकर्स फिल्म को और असरदार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। जैसे बताया गया है, द बंगाल फाइल्स की भारत में बड़ी रिलीज से पहले इंटरनेशनल प्रीमियर होंगे, जिसकी शुरुआत बड़े यूएसए टूर से होगी। इसी सिलसिले में विवेक रंजन अग्निहोत्री और पल्लवी जोशी यूएस रवाना होते नजर आए। द बंगाल फाइल्स के प्रमोशन के तहत विवेक रंजन अग्निहोत्री और पल्लवी जोशी अपनी फिल्म के लिए 11 शहरों के अमेरिका टूर पर जाते दिखे। इस टूर के साथ ये सच्ची कहानी दुनिया के कई शहरों में दिखाई जाएगी। नेवर अगेन टूर के तहत अमेरिका में 10 बड़े शो होंगे, जो 19 जुलाई को न्यू जर्सी से शुरू होकर 10 अगस्त को ह्यूस्टन में खत्म होंगे। द बंगाल फाइल्स के 11 बड़े प्रीमियर का अमेरिका में शेड्यूल इस तरह रहेगा, 19 जुलाई को न्यू जर्सी में, 20 जुलाई को वॉशिंगटन डीसी में, 25 जुलाई को रैले में, 26 जुलाई को अटलांटा में, 27 जुलाई को टैम्पा में, 1 अगस्त को फीनिक्स में, 2 अगस्त को लॉस एंजिलिस में, 3 अगस्त को एसएफ बे एरिया में, 7 अगस्त को डेट्रॉयट में, 9 अगस्त को शिकागो में और 10 अगस्त को ह्यूस्टन में प्रीमियर होगा। द बंगाल फाइल्स को लिखा और डायरेक्ट किया है विवेक रंजन अग्निहोत्री ने, और इसे अभिषेक अग्रवाल और पल्लवी जोशी ने बनाया है। फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, अनुपम खेर और दर्शन कुमार नजर आएंगे। तेज नारायण अग्रवाल और आई एम बुद्धा के बैनर तले बनी ये फिल्म विवेक की फाइल्स ट्रिलॉजी का हिस्सा है, जिसमें द कश्मीर फाइल्स और द ताशकंद फाइल्स भी शामिल हैं। यह फिल्म 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में आएगी।

साड़ी के साथ ब्लाउज नहीं ब्रालेट कैरी करने का शुरू हुआ ट्रेंड, मिलेगा बोल्ड और स्टाइलिश लुक

साड़ी एक ऐसा आउटफिट है, जिसको रोजमर्रा में पहनने के अलावा पार्टी–फंक्शन आदि में भी पहना जाता है। हर राज्य, शहर, गांव और कस्बे की महिलाएं साड़ी पहने नजर आती हैं। बस साड़ी को पहनने का स्टाइल अलग होता है। लेकिन सोशल मीडिया का क्रेज बढ़ने के बाद साड़ी नए–नए अंदाज में ड्रेप होने लगी है। बता दें कि भारत में 108 से ज्यादा तरीकों से साड़ी पहनी जाती है। इस मॉर्डन जमाने में साड़ी से ब्लाउज लगभग गायब हो चुका है। एक समय था, जब ब्लाउज के बिना साड़ी अधूरी मानी जाती थी। आज के समय में बॉलीवुड की अधिकतर अभिनेत्रियां साड़ी तो पहनती हैं, लेकिन ब्लाउज उनकी स्टाइलिंग का पार्ट नहीं होता है। कियारा अडवाणी, आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण और कटरीना कैफ जैसी अभिनेत्रियों ने साड़ी के साथ ब्रालेट पहनने का ट्रेंड शुरू किया है। यही वजह के अब मॉडर्न ब्राइड को लहंगे के साथ लंबी स्लीव्स और नाभि तक की लंबाई वाले ब्लाउज नहीं भाते हैं। बल्कि किसी भी पार्टी–फंक्शन या एनिवर्सरी आदि हर ओकेजन पर महिलाएं साड़ी के साथ ब्रालेट पहनने लगी हैं।

ब्रा और ब्रालेट में न हों कंफ्यूज

कई महिलाएं ब्रा और ब्रालेट में कंफ्यूज हो जाती है। लेकिन ब्रालेट मल्टीपर्पज है जिसको आप कई ड्रेस के साथ कैरी कर सकती हैं। ब्रालेट को क्रॉप टॉप की कैटेगिरी में रखा जाता है। जबकि ब्रेस्ट को सपोर्ट देने के लिए ब्रा बनाई जाती है। इसके कप साइज अलग–अलग होते हैं। वहीं ब्रालेट लाइट फैब्रिक में बनाई जाती है। इसमें लाइट पैड का इस्तेमाल किया जाता है। यह कई डिजाइन और पैटर्न में होने के साथ फ्लेक्सिबल साइज में होती हैं। इसमें आपको स्मॉल, मीडियम, लार्ज, एक्स्ट्रा लार्ज और ग्गस साइज मिल जाएगा। क्योंकि ब्रालेट का फैब्रिक हल्का होता है, इसलिए आप गर्मियों में साड़ी के साथ इसको आराम से कैरी कर सकती हैं।

स्लिम लुक देगी लेस ब्रालेट

साड़ी के साथ ब्रालेट कमाल की दिखती है। लेस ब्रालेट सुपर कंफर्टेबल होने के साथ स्किन फ्रेंडली भी होती है। इसके हुक को आप साइज के हिसाब से एडजस्ट कर सकती हैं। इस ब्रालेट में ब्रेस्ट पूरी तरह से कवर रहते है और यदि आप ब्लाउज की जगह इसको कैरी करती हैं, तो आपकी बॉडी स्लिम लुक देती है।

पॉलीकॉटन ब्रालेट

पॉलीकॉटन ब्रालेट का लेआउट भी ब्लाउज की तरह ही होता है। इसको आप लहंगे या फिर शिफान की साड़ी के साथ कैरी करती है, तो यह आपको ग्लैमरस लुक देने का काम करता है। कॉटन फैब्रिक होने के कारण पसीना नहीं आता है और स्किन संबंधी समस्या भी नहीं होती है। इसके साथ ही फुल कवरेज ब्रालेट हैवी ब्रेस्ट वाली महिलाओं के लिए परफेक्ट स्टाइल स्टेटमेंट का काम करती हैं।

पाएंगी सेलेब्स जैसा लुक

ज्यादातर बॉलीवुड एक्ट्रेस स्ट्रैपलैस ब्रालेट पहनना पसंद करती हैं। इन ब्रालेट में स्ट्रैप्स नहीं होते हैं और यह ट्यूबटॉप की तरह लगता है। आप बोल्ड लुक पाने के लिए शिमरी या हैवी वर्क साड़ी के साथ इस तरह की ब्रालेट कैरी कर सकती हैं। कॉकटेल पार्टी में साड़ी के साथ इसको पहनने से आपको बोल्ड और ग्लैमरस लुक मिलेगा। फिल्म पठान के 'बेशरम रंग' गाने में एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने स्ट्रैपलेस ब्रालेट पहनी थी। जिसके बाद इसकी पॉपुलैरिटी काफी ज्यादा बढ़ गई है। मिडियम ब्रेस्ट साइज पर यह ब्रालेट सबसे ज्यादा अच्छी लगती है।

छोटे कंधे वाली महिलाएं कैरी करें ये ब्रालेट

लहंगे के साथ–साथ रफल साड़ी पर प्लीटेड ब्रालेट काफी अच्छी लगती है। आपको बता दें कि स्कायर नेक की प्लीटिड ब्रालेट कंधों को ब्रॉड लुक देती है। इसके अलावा आपको हॉल्टर प्लीटिड ब्रालेट से भी यह लुक मिलेगा। जिन महिलाओं के कंधे छोटे हैं, वह इस ब्रालेट को पहनकर अपने लुक में बदलाव कर सकती हैं। जिन महिलाओं की छोटी हाइट है और बस्ट लाइन हैवी नहीं होती है, वह वी नेक, डीप नेक या फिर स्कूप नेक का जॉ ड्रॉपिंग ब्रालेट पहन सकती हैं। इससे आपकी हाइट लंबी लगेगी। लॉन्ग लाइन ब्रालेट ब्लाउज के लेंथ तक होते हैं। वहीं इसको कैरी करने से स्किन भी ज्यादा नहीं दिखती है।

हैवी ब्रेस्ट पर भी सूट करती हैं ब्रालेट

यह एक मिथक है कि ब्रालेट सिर्फ कम ब्रेस्ट लाइन पर ही अच्छी लगती है, या सूट करती है। जबकि ऐसा मानना बिलकुल गलत है। ब्रालेट हैवी ब्रेस्ट पर भी काफी जचता है। हालांकि हैवी ब्रेस्ट वाली महिलाओं को ब्रालेट की डिजाइनिंग और सिलेक्शन काफी सोच–समझकर करना चाहिए। हैवी ब्रेस्ट वाली महिलाओं जैसे ट्राइंगल, लेसबैक, रेसरबैक, ब्लंज स्कूप, स्कूप, लॉगेविटी, लॉन्गलाइन कैमी ब्रालेट कैरी कर सकती हैं। इससे उनके ब्रेस्ट का हिस्सा अच्छे से कवर हो जाता है और वह बिना किसी संकोच के स्टाइलिश लुक पा सकती हैं।

भारत में नहीं था ये रिवाज

आपको जानकर हैरानी होगी कि भारत में साड़ी के साथ ब्लाउज पहनने का रिवाज नहीं था। बल्कि साड़ी के साथ ब्लाउज पहनने का चलन ब्रिटिश राज में शुरू हुआ। इससे पहले यहां पर ब्लाउज के बिना साड़ी पहनी जाती थी। बता दें कि विक्टोरिया युग में बिना ब्लाउज की ड्रेस को पहनना खराब माना जाता है। जब भारत में ब्रिटिश शासन आया, तो साड़ी के साथ ब्लाउज पहनने का रिवाज शुरू कराया गया। ऐसा होने के बाद ब्रिटेन से अच्छी खासी संख्या में ब्लाउज इंपोर्ट होने लगे। ब्लाउज के चलन के पीछे एक और कहानी है। दरअसल, बंगाल के मशहूर कवि रविंद्रनाथ टैगोर के भाई सत्येंद्रनाथ टैगोर की धर्मपत्नी जनंदानंदनी देबी को एक बार ब्रिटिश क्लब में एंट्री इसलिए नहीं मिली, क्योंकि उन्होंने साड़ी से अपने शरीर के ऊपरी हिस्से को कवर किया था। इस घटना के बाद जनंदानंदनी देबी ने ब्लाउज पहनना शुरू किया। ऐसे में भारत में ब्लाउज को पॉपुलर करने का श्रेय उनको जाता है।

प्राकृतिक सुंदरता और वातावरण कोटा को बनाते हैं एक आकर्षक पर्यटन स्थल

राजस्थान का उपनगर 'कोटा' एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर है जो अपनी विशेषताओं के लिए विख्यात है। यह नगरी ना सिर्फ अपने विकासशील माहौल और प्रगति के लिए मशहूर है, बल्कि यहां के सांस्कृतिक और शैक्षिक माहौल पर पूरे देश को गर्व है। कोटा का इतिहास गहरे संस्कार और परंपराओं से भरा हुआ है। इसे राजपूताना की राजधानी में भी जाना जाता है, जिसमें शानदार महल, बावड़ियों और गुम्मतों का विशेष महत्व है। कोटा की एक विशेषता यहां के ऐतिहासिक स्मारक हैं। यहां प्राचीन कला का विविध संगम है, जिसमें भारतीय संस्कृति का अद्वितीय अनुभव मिलता है। कोटा को शिक्षा का गढ़ माना जाता है, जहां छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए तमाम कोचिंग और शिक्षण संस्थान हैं। यहां देशभर से छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आते हैं। यहां के विद्यालयों और संस्थानों ने अपने उच्च शैक्षणिक मानकों के चलते देशभर में अपना अलग मुकाम बनाया है और छात्रों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पटल पर स्थान प्राप्त करने में मदद की है। इसके अतिरिक्त, कोटा की प्राकृतिक सुंदरता और वातावरण भी इसे एक आकर्षक पर्यटन स्थल बनाते हैं। यहां की खूबसूरत झीलें, अनोखे वन्यजीव अभ्यारण्य और ऐतिहासिक स्मारक दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

कोटा शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल इस प्रकार हैं–

कोटा गढ़रू कोटा गढ़ शहर का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर के शिक्षा और ऐतिहासिक महत्व को दर्शाता है। यहां के महल और किले इसे एक अनोखा और आकर्षक स्थल बनाते हैं।

चंबल गार्डनरू यह प्राकृतिक उद्यान कोटा के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां के विशाल झील और वन्यजीव इसे एक पर्यावरणीय क्षेत्र बनाते हैं।

किशोर सागर झीलरू यह झील कोटा शहर का एक और प्रमुख पर्यटन स्थल है जो अपनी शांतिपूर्णता और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर बोटिंग और रिलैक्सेशन की सुविधाएं हैं।

गार्डन ऑफ लोर्ड्सरू यह उद्यान फूलों और पौधों की सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है और यहां पर्यटक शांति और सुकून का आनंद लेते हैं।

रामगढ़ गार्डनरू यह गार्डन कोटा शहर का एक अन्य प्रमुख पर्यटन स्थल है जिसमें विभिन्न प्रकार के फूलों और वृक्षों की बगियां हैं।

उदयपुर का महलरू यह भी कोटा शहर का एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है, जो अपनी विशेष वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है।

कोटा शहर के इन पर्यटन स्थलों के अलावा भी यहां पर कई धार्मिक स्थल, पार्क्स और स्थानीय बाजार हैं जो आपके दौरे को और भी रोमांचक बना सकते हैं। इन सभी स्थलों का दौरा करने से आपको कोटा शहर की समृद्ध और अनूठी संस्कृति का अनुभव होगा।

हेल्थ के लिए कौन-सा सबसे अच्छा है, सूखा या ताजा नारियल?

नारियल का सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कौन–सा नारियल सेहत के लिए सबसे अच्छा होता है।

नारियल का सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। नारियल में कई औषधीय गुण मौजूद होते हैं। यह कई तरह की समस्याओं और बीमारियो से बचाव करता है। नारियल खाने से शरीर को पोषण मिलता है। नारियल के प्रयोग सूखा (ड्राई) और ताजा (फ्रेश) दोनों तरह से किया जाता है। आइए जानते हैं ताजा और सूखा नारियल के बीच अंतर और उनके लाभों के बारे में विस्तार से बताते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार, नारियल क्या है?

आयुर्वेद में ताजा नारियल को मधुर, शीतल, फैट्स, वातपित्त को कम करने वाला और कब्ज को दूर करने में कारगर बताया गया है। फ्रेश नारियल की तासीर ठंडी होती है और इसका प्रयोग ताजगी और शीतला के लिए किया जाता है। वहींस सूखें नारियल की तासीर गर्म होती है और इसका इस्तेमाल शरीर को गर्मी प्रदान करने के लिए होता है। ड्राई नारियल पाचन में मुश्किल होता है और कब्ज का कारण बन सकता है। सूखे नारियल में गुरु, स्निग्ध, बलकारक और रुचिकारक बताया है। इसका सेवन लोगों को शरीर की तासीर और मौसम के अनुसार करना चाहिए।

फ्रेश कोकोनट के फायदे

– ताजा नारियल स्किन को नमी देता है और उसे सॉफ्ट बनाता है। इसके इस्तेमाल से त्वचा की जलन और सूजन को कम करने में मदद करता है।

– ताजा नारियल में फाइबर पाया जाता है जो पाचन की समस्या को बेहतर करता है। यह कब्ज जैसी समस्याओं को दूर करता है।

– ताजे नारियल में कई पोषक तत्व पाए जाते है, जो शरीर को एनर्जी देता है। इसके साथ ही इम्यूनिटी को मजबूत करता है।

– नारियल में पाए जाने वाला हेल्दी फैट्स हार्ट को स्वस्थ रखने में मदद करता हैं और कोलेस्ट्रॉल को कम करता है।

ड्राई कोकोनट के फायदे

– सूखे नारियल में सबेस ज्यादा कैल्शियम और मैग्नीशियम सबसे ज्यादा होता है, जो हड्डियों को मजबूत रखता है।

– सूखा नारियल एनर्जी के लिए सबसे अच्छा सोर्स माना जाता है क्योंकि यह थकान दूर करता है।

– सूखा नारियल स्किन को पोषण देता है और बालों को भी मजबूत करता है।

– ड्राई कोकोनट शरीर में इम्यूनिटी को मजबूत करने में सहायक होता है और बीमारियों से लड़ने की क्षमता मिलती है।

शादी से पहले पिता सिखाएं बेटी को ये बातें, ससुराल में कभी कमजोर नहीं पड़ेगी आपकी लाडली

पिता–पुत्री का संबंध बहुत ही खास और मजबूत होता है। शादी के बाद भी इस संबंध को बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है ताकि बेटी को कभी या महसूस ना हो कि वह ससुराल में आकर अकेली पड़ गई है। यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं कि पिता–पुत्री का संबंध शादी के बाद भी कैसे मजबूत बना रहे और बेटी को विभिन्न परिस्थितियों में कैसे सुरक्षा प्रदान की जा सकती है।

नियमित संचार बनाए रखें

फोन कॉल और वीडियो कॉलरू नियमित रूप से बेटी से बात करें। टेक्स्ट, कॉल या वीडियो कॉल के माध्यम से संपर्क में रहें।

साझा गतिविधियांः अगर संभव हो तो बेटी के साथ साझा गतिविधियां करें, जैसे किसी नई रेसिपी पर काम करना या साथ में किसी हॉबी का आनंद लेना।

समय बिताएंः

मिलने का समय निकालेंः शादी के बाद भी बेटी के साथ समय बिताने का प्रयास करें। परिवारिक समारोह या छुट्टियों में मिलने का प्लान बनाएं।

स्पेशल डे सेलिब्रेट करेंः बेटी के जन्मदिन, सालगिरह और अन्य खास अवसरों पर उसे याद दिलाएं कि आप उसके साथ हैं।

सहयोग और समझदारी

भावनात्मक सहयोगः बेटी के भावनात्मक और मानसिक समर्थन के लिए हमेशा उपलब्ध रहें।

सहायक रहेंः उसके जीवन में आने वाली चुनौतियों और समस्याओं में उसे सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करें।

स्वतंत्रता का सम्मान करें

स्वतंत्रताः बेटी की स्वतंत्रता और निर्णयों का सम्मान करें। उसे अपनी जिंदगी में अपनी पहचान बनाने का अवसर दें।

समझदारीः उसकी पसंद और जीवनशैली को समझें और उसमें हस्तक्षेप करने से बचें।

बेटी को सुरक्षा प्रदान करने के तरीके

सुरक्षा की जानकारी दें

सुरक्षा उपायः बेटी को सुरक्षा के उपायों के बारे में जानकारी दें, जैसे कि आपातकालीन संपर्क नंबर, सेल्फ–डिफेंस तकनीक आदि।

डिजिटल सुरक्षाः ऑनलाइन सुरक्षा के उपाय बताएं, जैसे कि सोशल मीडिया पर गोपनीयता सेटिंग्स, सुरक्षित पासवर्ड का उपयोग, और व्यक्तिगत जानकारी साझा करने में सावधानी बरतना।

मनोबल बढ़ाएं

आत्मविश्वासः बेटी का आत्मविश्वास बढ़ाएं और उसे सिखाएं कि कैसे विभिन्न परिस्थितियों में स्वयं की रक्षा करें।

प्रोत्साहनः उसे हर क्षेत्र में प्रोत्साहित करें और उसकी उपलब्धियों की सराहना करें।

कानूनी जानकारी

कानूनी अधिकारः बेटी को उसके कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी दें, विशेषकर घरेलू हिंसा और उत्पीड़न के मामलों में।

संपर्क जानकारीः स्थानीय पुलिस, महिला हेल्पलाइन, और अन्य सुरक्षा संगठनों के संपर्क नंबर उसके पास रखें।

बेटी के लिए महत्वपूर्ण सुझाव

स्वास्थ्य का ध्यान रखें

शारीरिक स्वास्थ्यः नियमित व्यायाम और संतुलित आहार का पालन करें।

मानसिक स्वास्थ्यः मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें और जरूरत पड़ने पर मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर से संपर्क करें।

आर्थिक स्वतंत्रता

आर्थिक योजनाः अपने वित्तीय मामलों को समझें और आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनने का प्रयास करें।

बजटिंगः खर्चों का बजट बनाएं और बचत की आदत डालें।

शिक्षा और करियर

शिक्षारू अपनी शिक्षा और करियर को प्राथमिकता दें।

नवीनतम कौशलः नई–नई कौशल सीखने का प्रयास करें जो आपके करियर में सहायक हो सकते हैं।

स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता

निर्णय लेने की क्षमताः अपने निर्णय स्वयं लें और अपने जीवन में आत्मनिर्भर बनें।

सुरक्षाः अपनी सुरक्षा के लिए सतर्क रहें और आत्मरक्षा के तरीकों को सीखें।

पिता–पुत्री का संबंध एक विशेष बंधन है जिसे शादी के बाद भी बनाए रखना महत्वपूर्ण है। संचार, समर्थन, स्वतंत्रता का सम्मान और सुरक्षा के उपायों के माध्यम से इस संबंध को और भी मजबूत बनाया जा सकता है। बेटी को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और सुरक्षित बनाने के लिए माता–पिता का सहयोग और मार्गदर्शन बहुत महत्वपूर्ण होता है।

संक्षिप्त

सेंसेक्स, निफ्टी में मजबूत शुरुआत के बाद दिखा बिकवाली का दबाव

घरेलू शेयर बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी ने बृहस्पतिवार को मजबूती के साथ शुरुआत की, लेकिन बाद में इनमें बिकवाली का दबाव देखने को मिला। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 119.05 अंक चढ़कर 82,753.53 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 18.7 अंक की बढ़त के साथ 25,230.75 अंक पर रहा। बाद में बीएसई सेंसेक्स 71.51 अंक की गिरावट के साथ 82,554.47 अंक पर और निफ्टी 30.30 अंक फिसलकर 25,182.55 अंक पर आ गया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से सन फार्मा, टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, एनटीपीसी और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर लाभ में रहे। टेक महिंद्रा के शेयर में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। आईसीआईसीआई बैंक, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), भारतीय स्टेट बैंक और एशियन पेंट्स के शेयर भी नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में जापान का निक्की 225, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग फायदे में रहे जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहा। अमेरिकी बाजार बुधवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 68.92 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,858.15 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

रुपया शुरुआती कारोबार में 12 पैसे की बढ़त के साथ 85.80 प्रति डॉलर पर

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और भारत–अमेरिका व्यापार वार्ता में सफलता की उम्मीद के बीच रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में 12 पैसे की बढ़त के साथ 85.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में मजबूती एवं विदेशी पूंजी की निकासी ने हालांकि स्थानीय मुद्रा में तेज बढ़त को रोक दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय

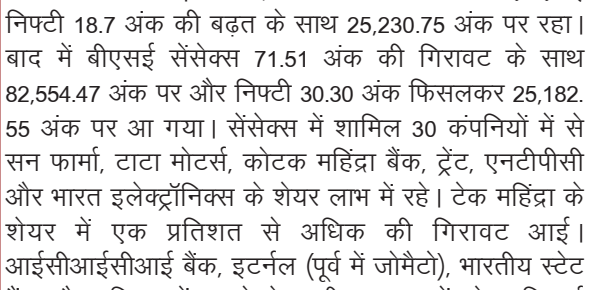

बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.93 पर कमजोर रुख के साथ खुला। हालांकि जल्द की सकारात्मक दायरे में आते हुए 85.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.92 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.55 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 119.05 अंक की बढ़त के साथ 82,753.53 अंक पर जबकि निफ्टी 18.7 अंक चढ़कर 25,230.75 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 68.46 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,858.15 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

भारत के विमानन क्षेत्र में अपार संभावनाएं, आबादी के अनुपात में हवाई यातायात बेहद कम

नई दिल्ली। भारत के विमानन क्षेत्र में वृद्धि की आपार संभावनाएं हैं। विश्व की लगभग 18 प्रतिशत आबादी होने के बावजूद, वैश्विक हवाई यातायात में भारत की हिस्सेदारी केवल 4 प्रतिशत है। जेफरीज की हालिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

यात्री संख्या के आधार पर भारत विश्व का तीसरा बाजार

रिपोर्ट में बाताया गया कि यात्री संख्या के आधार पर भारत पहले से ही अमेरिका और चीन के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाजार है। हालांकि जनसंख्या के आकार की तुलना में यह क्षेत्र अभी भी अपर्याप्त रूप से विकसीत है। भारत में प्रति व्यक्ति हवाई यात्रा बहुत कम है। यह विकास के विशाल अवसरों की ओर इशारा करता है।

हवाई संपर्क संकेतक की स्थिति बेहतर होने की उम्मीद

इसमें कहा गया कि बढ़ती आय, तेज शहरीकरण और बेड़े के विस्तार व हवाईअड्डा अवसंरचना में लगातार हो रहे निवेश से इस क्षेत्र में उच्च एकल अंक से लेकर निम्न दोहरे अंकों तक की निरंतर वृद्धि की उम्मीद है। देश के हवाई संपर्क संकेतक भी बेहतर हो रहे हैं, जिसमें नए घरेलू मार्गों की शुरुआत और अधिक अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विस्तार शामिल है। इसमें सीधे विदेशी गंतव्यों तक की कनेक्टिविटी भी जोड़ी जा रही है।

भारत और चीन की तुलना

रिपोर्ट में भारत के विमानन उद्योग की तुलना चीन से की गई है ताकि विकास के अवसरों पर जोर दिया जा सके। जहां चीन सालाना 0.7 अरब से ज्यादा हवाई यात्रियों को संभालता है। वहीं भारत केवल लगभग 0.2 अरब यात्रियों को ही सेवाएं प्रदान करता है। बुनियादी ढांचे के संदर्भ में, चीन के पास 4,000 से अधिक विमानों का बेड़ा और 250 से अधिक हवाई अड्डे हैं। वहीं भारत में लगभग 850 विमान और 150 से 160 हवाई अड्डे हैं।

रेल नेटवर्क में भी चीन की स्थिति बेहतर

चीन को अपने व्यापक हाई–स्पीड रेल नेटवर्क का भी लाभ मिलता है, जो कई मार्गों पर हवाई यात्रा को टक्कर देता है।

हार्दिक की सात साल से टेस्ट टीम में क्यों नहीं हो रही वापसी ?

बैटिंग-बॉलिंग दोनों में शानदार आंकड़े

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज जारी है। लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में हार के बाद भारतीय टीम सीरीज में 1–2 से पीछे चल रही है। 23 जुलाई से मैनचेस्टर में चौथा मैच की शुरुआत होगी। सीरीज फिलहाल रोमांचक मोड़ पर है और लॉर्ड्स में मैदान में हुए हाईवोल्टेज ड्रामे के बाद यह और दिलचस्प हो गई है। दोनों टीमों की ओर से काफी स्लेजिंग हुई और मैनचेस्टर में भारत के पास इसका मुंहतोड़ जवाब देने का सही मौका है। लॉर्ड्स में भले ही भारतीय टीम की गेंदबाजी अच्छी रही हो, लेकिन विदेशी मैदान पर एक अच्छे पेस बॉलिंग ऑलराउंडर की खोज अब तक जारी है। लीड्स में पहले टेस्ट में टीम मैनेजमेंट ने शार्दुल ठाकुर को मौका दिया था, जबकि दूसरे और तीसरे टेस्ट में नीतीश रेड्डी खेले। उन्होंने लॉर्ड्स में अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन उनकी बल्लेबाजी फ्लॉप रही। ऐसे में सवाल उठता है कि सात साल से हार्दिक पांड्या की टेस्ट टीम में वापसी क्यों नहीं हो रही है? उन्होंने अभी तक किसी प्रारूप से संन्यास नहीं लिया है, तो क्या बीसीसीआई को उन्हें टेस्ट खेलने के लिए नहीं मनाना चाहिए? अगर वह खेलते हैं तो भारतीय टीम पहले से कहीं ज्यादा मजबूत दिखेगी। टेस्ट में उनकी बैटिंग और बॉलिंग, दोनों शानदार रही है। आंकड़े इसके गवाह हैं। वह विदेशी मैदान पर एक बेहतरीन तेज गेंदबाजी विकल्प साबित हो सकते हैं। हार्दिक ने 2016 में टी20 मैच से अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। फिर उसी साल अक्तूबर में वनडे डेब्यू किया। इसके बाद 2017 में श्रीलंका के खिलाफ गॉल में उनका टेस्ट डेब्यू हुआ। हालांकि, एक साल बाद ही वह टेस्ट से गायब हो गए। हार्दिक ने पिछला टेस्ट मैच अगस्त 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ रोज बाउल में खेला था। इसके बाद सात साल से वह वनडे और टी20 तो खेल रहे हैं, लेकिन टेस्ट से गायब हैं। साल 2018 में ही सितंबर में एशिया कप के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ मैच में उन्हें गंभीर चोट लगी थी और वह स्ट्रेचर से बाहर आए थे। इससे उबरने में उन्हें काफी समय लग गया था, लेकिन वापसी के बाद से वह सबसे लंबे प्रारूप में नहीं खेल पाए। हार्दिक को समय–समय पर लगती चोट टेस्ट मे नहीं खेलने की मुख्य वजह हो सकती है, लेकिन जब देश को उनकी जरूरत हो और टीम में एक सीनियर सदस्य के नाते उन्हें खेलने के लिए मनाना चाहिए। नीतीश ने टेस्ट डेब्यू के बाद से अब तक सात टेस्ट की 12 पारियों में 72 ओवर गेंदबाजी की है, यानी औसतन छह ओवर। हार्दिक भी इतनी गेंदबाजी कर सकते हैं और उनकी स्पीड और स्विंग विदेशी जमीन पर घातक भी साबित हो सकती है।

हार्दिक का टेस्ट में प्रदर्शन

हार्दिक ने अब तक 11 टेस्ट में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और उसमें 31.29 की औसत से 532 रन बनाए हैं। इसमें चार अर्धशतक और एक शतक शामिल है। श्रीलंका के खिलाफ गॉल में 108 रन, उनकी टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ पारी रही है। टेस्ट डेब्यू पर ही अपनी पहली पारी में हार्दिक ने अर्धशतक जमाया था। इतना ही नहीं 2018 में वह भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड का दौरा भी कर चुके हैं। तब उन्होंने चार टेस्ट की आठ पारियों में 23.43 की औसत से 164 रन बनाए थे। सबसे शानदार उनकी गेंदबाजी रही थी। उस सीरीज में उन्होंने आठ पारियों में 64 ओवर गेंदबाजी की थी (औसतन एक पारी में आठ ओवर) और 10 विकेट झटके थे। इस दौरान उनका गेंदबाजी औसत 24.70 का और स्ट्राइक रेट 38.50 का रहा था। गेंदबाजी औसत का मतलब है प्रति विकेट कितने रन खर्च किए गए। वहीं, गेंदबाजी स्ट्राइक रेट का मतलब है प्रति विकेट कितनी गेंद फेंकी। हार्दिक का उस सीरीज में गेंदबाजी स्ट्राइक रेट मोईन अली के बाद सबसे शानदार रहा था। हार्दिक ने अब तक 11 टेस्ट में 17 विकेट झटके हैं। 28 रन देकर पांच विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी रही है। उनका गेंदबाजी औसत 31.05 का और स्ट्राइक रेट 55.1 का रहा है।

क्या बुमराह की तरह मैनेज हो सकता है वर्कलोड?

हार्दिक समय–समय पर चोटिल होते रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं है कि उनको मौका नहीं दिया जा सकता। जिस प्रकार जसप्रीत बुमराह के वर्कलोड को मैनेज किया जाता है, उस प्रकार हार्दिक के वर्कलोड को भी मैनेज किया जा सकता है, लेकिन इसके पीछे मुख्य वजह क्या है, यह तो बीसीसीआई और टीम मैनेजमेंट ही बता सकता है। हार्दिक को मौजूदा समय में देश का सबसे बेहतरीन पेस बॉलिंग ऑलराउंडर माना जाता है और इसमें कोई शक भी नहीं है। हार्दिक और बुमराह, इन दो खिलाड़ियों ने जिस प्रकार भारतीय क्रिकेट में अपनी धाक जमाई, वह अपने आप में शानदार है। उन्हें टी20 का कप्तान भी बनाया गया, लेकिन गौतम गंभीर के कोच बनते ही उनसे यह पद छीन लिया गया। हार्दिक का प्रथम श्रेणी में भी रिकॉर्ड शानदार है। उन्होंने 29 प्रथम श्रेणी मैच में 30.02 की औसत से 1351 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 10 अर्धशतक लगाए। वहीं, प्रथम श्रेणी में उनके नाम 48 विकेट भी हैं। एक और खास बात यह है कि हार्दिक ने 11 में से सिर्फ एक टेस्ट भारत में खेला है। उनके बाकी के 10 मुकाबले विदेशी जमीन पर ही रहे हैं। वह भारतीय टीम के साथ श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड का दौरा कर चुके हैं। भारतीय पिच पर एक एक्स्ट्रा पेसर की जगह स्पिन ऑलराउंडर की जरूरत पड़ती है। ऐसे में उन्हें आराम दिया जा सकता है, लेकिन विदेशी दौरों पर वह टीम इंडिया के बहुमूल्य साबित हो सकते हैं। साथ ही वह भारतीय टेस्ट टीम को जरूरी संतुलन भी प्रदान कर सकते हैं।

5 साल में पहली बार! बांग्लादेश ने श्रीलंका को हराकर जीती टी20 सीरीज, कप्तान लिटन और मेहदी चमके

कोलंबो। लिटन दास की अगुआई में बांग्लादेश की टीम ने इतिहास रच दिया है। बांग्लादेश ने श्रीलंका को उसके घर में तीन मैचों की टी20 सीरीज में 2–1 से शिकस्त दी है। कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए तीसरे और निर्णायक मैच में बांग्लादेश की टीम ने आठ विकेट से जीत हासिल की। स्पिनर मेहदी हसन प्लेयर ऑफ द मैच रहे, जबकि कप्तान लिटन दास प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 20 ओवर में सात विकेट पर 132 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश ने 16.3 ओवर में दो विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। पहला टी20 श्रीलंका ने सात विकेट से अपने नाम किया था, जबकि दूसरा टी20 बांग्लादेश ने 83 रन से जीता था। इससे पहले दो मैचों की टेस्ट सीरीज श्रीलंका ने 1–0 से और तीन मैचों की वनडे सीरीज 2–1 से अपने नाम की थी।

बांग्लादेश ने पहली बार जीती टी20 सीरीज

यह बांग्लादेश की श्रीलंका पर पहली टी20 सीरीज जीत है। दोनों टीमें 2007 से टी20 खेल रही हैं, लेकिन दोनों टीमों के बीच पहली द्विपक्षीय टी20 सीरीज 2013 में खेली गई थी। दोनों टीमों के बीच यह पांचवीं द्विपक्षीय टी20 सीरीज रही। लिटन के नियमित टी20 कप्तान बनने के बाद से यह बांग्लादेश की तीसरी टी20 सीरीज है। बांग्लादेश ने इन तीन सीरीज में पहली बार कोई सीरीज जीती। इससे पहले बांग्लादेश को पाकिस्तान के खिलाफ 3–0 से और यूएई के खिलाफ 2–1 से हार का सामना करना पड़ा था।

श्रीलंका की पारी

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 132 रन बनाए। पाथुम निसांका सर्वोच्च स्कोरर रहे। उन्होंने 39 गेंद में चार चौके की मदद से 46 रन की पारी खेली। टीम के छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके।

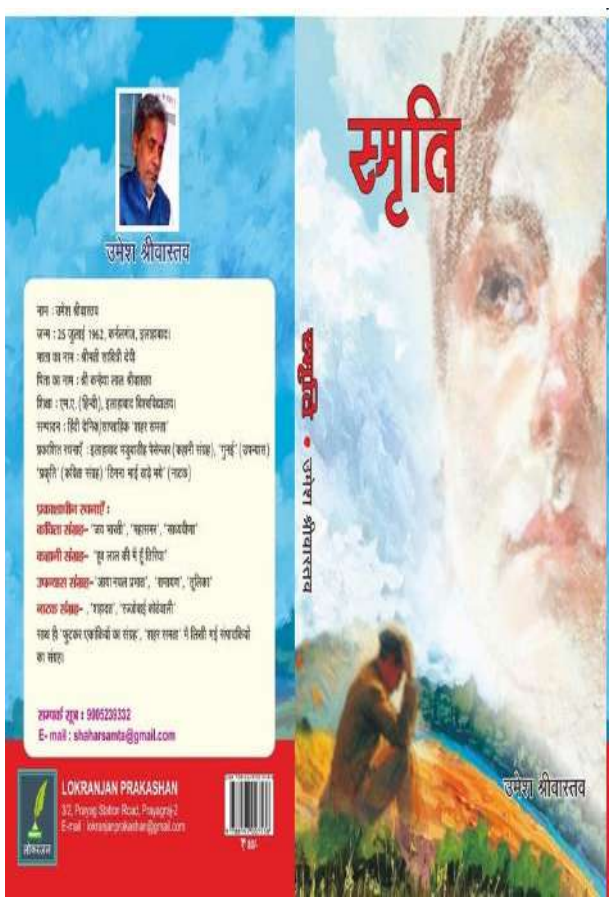

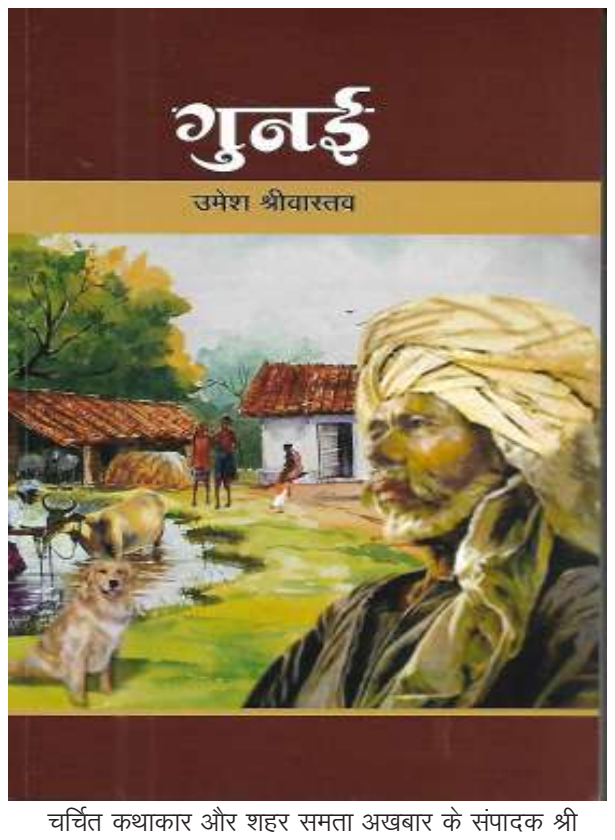

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

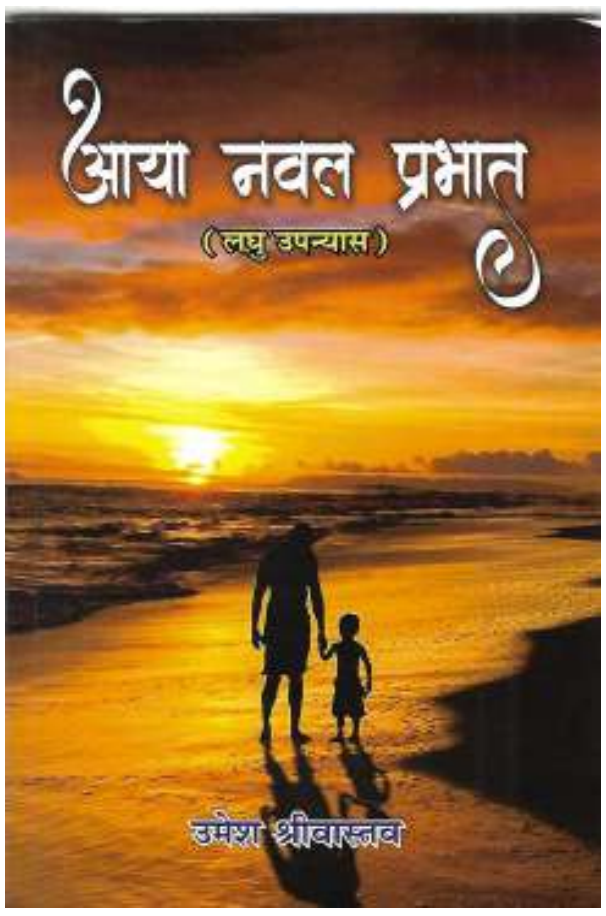

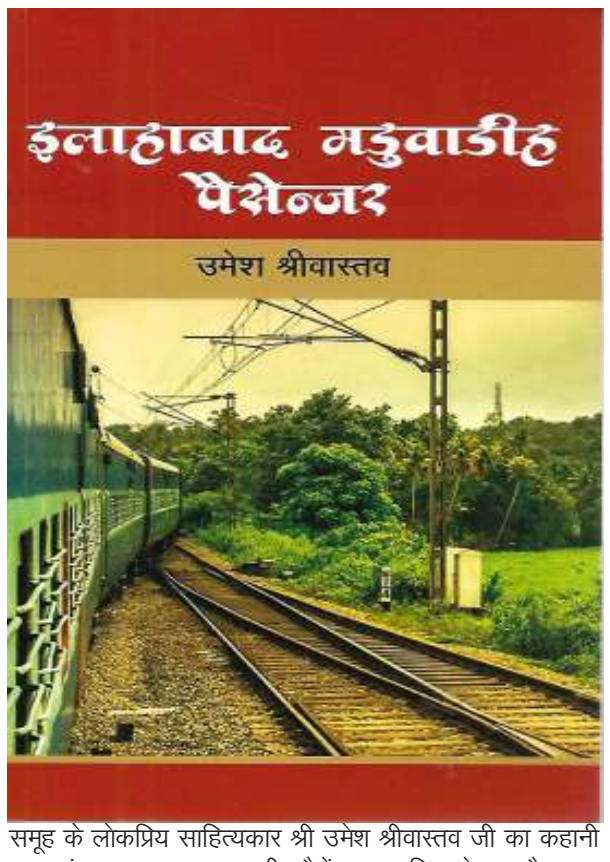

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

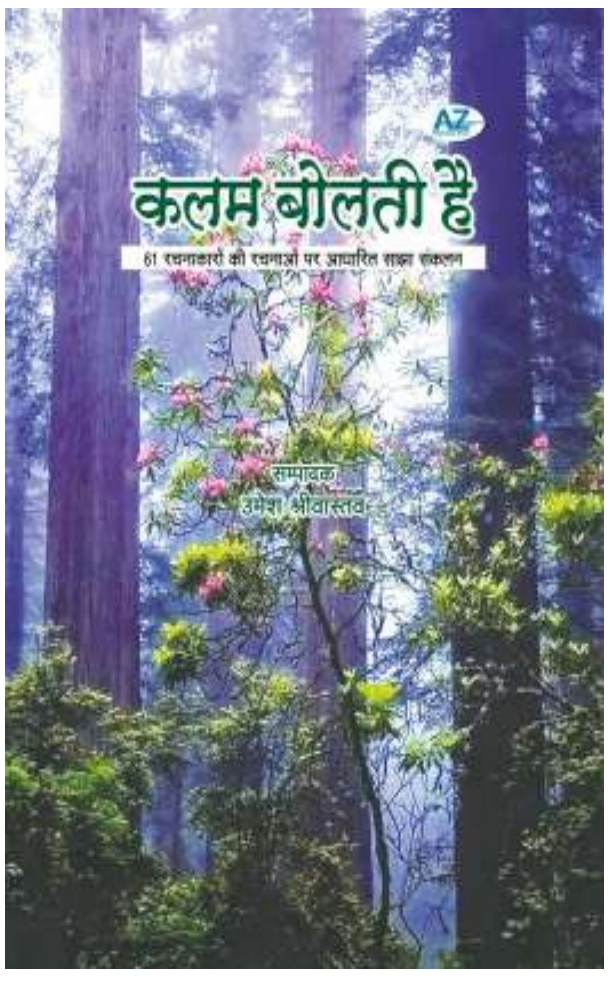

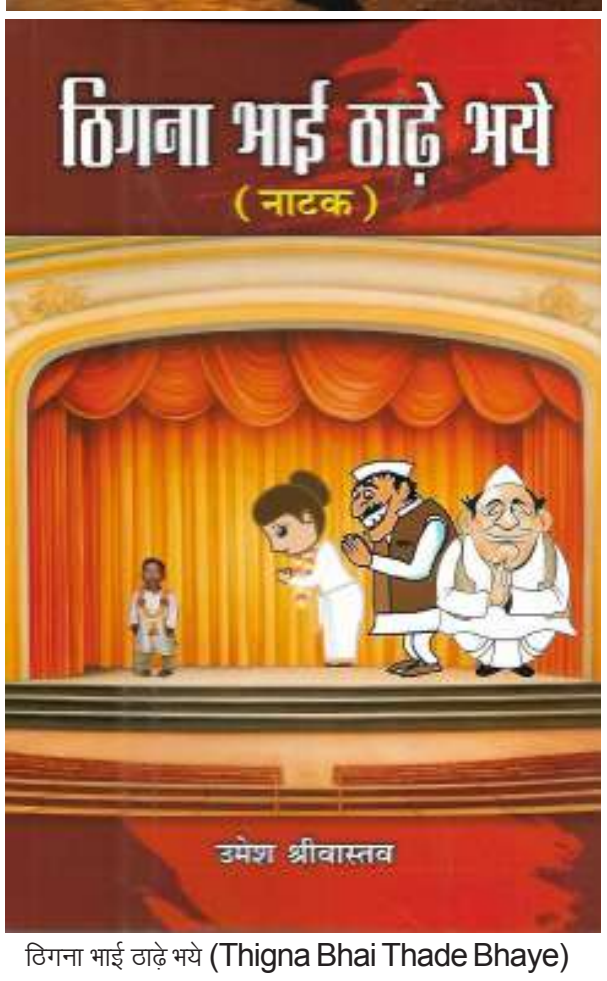

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रंप ने 'व्हाइट हाउस' में खाड़ी देशों के नेताओं से की मुलाकात

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'व्हाइट हाउस' में दो खाड़ी देशों के नेताओं से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब इजराइल और सीरिया के बीच हिंसा ने पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने के ट्रंप के संकल्प पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। ट्रंप ने बुधवार को 'ओवल ऑफिस' में बहरीन के युवराज सलमान बिन हमद अल खलीफा के साथ बैठक की और कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल

रहमान अल सानी के साथ भोज किया। गाजा में जारी संघर्ष और क्षेत्र की अन्य ज्वलंत समस्याओं के बीच ट्रंप ने आर्थिक विकास के माध्यम से राजनयिक संबंधों को बढ़ावा देने पर अधिक ध्यान केंद्रित किया। बहरीन के युवराज सलमान बिन हमद अल खलीफा से मुलाकात के दौरान ओवल ऑफिस में ट्रंप ने कहा, ''उन्हें जो भी चाहिए था, (उसमें) हमने उनकी मदद की। और हमें जो भी चाहिए था, उन्होंने (उसमें) हमारी मदद की।'' बहरीन एक पुराना सहयोगी है जो पश्चिम एशिया में अमेरिकी पांचवें बेड़े की मेज़बानी करता है। इस बेड़े का मुख्य मिशन पश्चिम एशिया में समुद्री सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करना है। कतर के प्रधानमंत्री सानी बुधवार शाम ट्रंप के साथ रात्रिभोज के लिए 'व्हाइट हाउस' में थे।

ट्रंप प्रशासन ने कैलिफोर्निया बुलेट ट्रेन परियोजना की चार अरब डॉलर की धनराशि वापस ली

ट्रंप प्रशासन ने कैलिफोर्निया की बुलेट ट्रेन परियोजना की धनराशि वापस ले ली है, जिससे इस बात को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है कि राज्य प्रशासन सैन फ्रांसिस्को और लॉस एंजिलिस के बीच इस परियोजना के अपने पुराने वादे को कैसे पूरा कर पाएगा। अमेरिकी परिवहन विभाग ने कहा कि वह इस परियोजना

की चार अरब अमेरिकी डॉलर की राशि वापस ले रहा है। हालांकि, उसने कुछ सप्ताह पहले ही इस बात के संकेत दे दिए थे। परियोजना के लिए एक–चौथाई से भी कम राशि संघीय सरकार की ओर से दी गई थी जबकि शेष धनराशि राज्य सरकार ने मुहैया कराई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और परिवहन मंत्री सीन डफी, दोनों ने इस परियोजना की कड़ी आलोचना की और इसे ''कहीं नहीं जाने वाली ट्रेन'' बताया। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, ''जिस रेलमार्ग का हमसे वादा किया गया था, वह आज तक नहीं बना और कभी बनेगा भी नहीं।

इराक के शॉपिंग मॉल में भीषण आग, 50 लोगों की जलकर दर्दनाक मौत

पूर्वी इराक के अल–कुट शहर में एक हाइपरमार्केट में लगी भीषण आग में कम से कम 50 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए, राज्य समाचार एजेंसी (आईएनए) ने प्रांत के गवर्नर के हवाले से गुरुवार को यह जानकारी दी। सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे दृश्यों में अल–कुट में एक पाँच मंजिला इमारत में रात भर आग की लपटें दिखाई दे रही थीं, जबकि दमकलकर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे थे। गौरतलब है कि आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन आईएनए की रिपोर्ट के अनुसार, गवर्नर ने कहा है कि जाँच के शुरुआती नतीजे 48 घंटों के भीतर घोषित किए जाएँगे। आईएनए ने गवर्नर के हवाले से कहा कि हमने इमारत और मॉल के मालिक के खिलाफ मुकदमा दायर किया है।

आइसलैंड में ज्वालामुखी विस्फोट के कारण लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया

दक्षिण–पश्चिमी आइसलैंड में ज्वालामुखी विस्फोट के कारण स्थानीय निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर भेजना पड़ा है। राष्ट्रीय प्रसारक आरयूवी ने खबर दी है। आइसलैंड के मौसम विभाग ने बताया कि राजधानी रेक्जाविक के दक्षिण–पश्चिम में रेक्जानेस प्रायद्वीप पर तीव्र भूकंपीय झटकों के बाद बुधवार सुबह करीब चार बजे विस्फोट शुरू हुआ। भूकंपीय गतिविधि शुरू होने के तुरंत बाद ग्रिंडाविक शहर से लगभग 100 लोगों को निकाला गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध 'ब्लू लैगून' भूतापीय स्पा से भी लोगों को हटाया गया। स्थानीय पुलिस आयुक्त मार्गरेट क्रिस्टिन पाल्सडॉटिर ने कहा कि निकासी सुचारू रूप से चली और यह अभियान लगभग 90 मिनट तक चला। उन्होंने कहा, बेशक, लोगों की इस बात पर अलग–अलग राय है कि निकासी जरूरी है या नहीं, लेकिन यह हमारा फैसला है और जिसकी ज़िम्मेदारी हम लेते हैं। मौसम विभाग ने कहा कि ज्वालामुखी विस्फोट से निकला लावा एक दरार से बह रहा है, और वह दरार लगभग 700 से 1000 मीटर चौड़ी है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

सीरिया में इजराइल के ताबड़तोड़ हमले, Druze Community की रक्षा के नाम पर पश्चिम एशिया में फिर बढ़ा तनाव

पश्चिम एशिया एक बार फिर तनाव के दौर से गुजर रहा है। दरअसल इजराइल ने अब सीरिया की राजधानी दमिश्क और उसके अन्य सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। इन हमलों के पीछे का मकसद यह है कि ईरान समर्थित हिजबुल्लाह और ईरानी मिलिशिया की गतिविधियों को रोका जाये। हम आपको बता दें कि इजराइल लंबे समय से ईरान की सीरिया में बढ़ती सैन्य उपस्थिति को अपने लिए खतरा मानता रहा है। इजराइल के लिए ईरान–सीरिया–हिजबुल्लाह के गठबंधन को कमजोर करना उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा है। सीरिया में हिजबुल्लाह के हथियार डिपो और मिसाइल फैक्ट्रीज़ को खत्म करने के लिए इजराइल लगातार लक्षित हवाई हमले करता रहा है। इजराइल को इन हमलों के लिए अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका की सहमति मिलती रही है क्योंकि वॉशिंगटन भी सीरिया में ईरान के प्रभाव को कम करने के पक्ष में है। हम आपको बता दें कि सीरिया में ईरान ने अपने सैन्य अड्डे, हथियार डिपो और मिलिशिया तैनात कर रखी हैं। इजराइल को डर है कि ईरान इन ठिकानों के जरिए उसे घेरने की तैयारी कर रहा है। इजराइल की नीति साफ हैकृ ''ईरान को सीरिया में मजबूत नहीं होने देंगे।'' इसी नीति के तहत इजराइल ईरानी अड्डों, हथियारों और सैन्य काफिलों को बार–बार निशाना बनाता है। इसके अलावा, लेबनान का आतंकी संगठन हिजबुल्लाह ईरान का करीबी है और सीरिया में उसकी मौजूदगी मजबूत हो चुकी है। इजराइल नहीं चाहता कि हिजबुल्लाह के पास एडवांस मिसाइल और हथियार पहुंचें। इसलिए वह सीरिया में उन हथियारों के डिपो और काफिलों पर हमला करता है, जिनका इस्तेमाल हिजबुल्लाह इजराइल के खिलाफ कर सकता है। साथ ही इजराइल मानता है कि सीरिया में ईरान और उसके गुट लगातार नए मिसाइल अड्डे, ड्रोन बेस और सुरंगें बना रहे हैं। अगर अभी हमला न किया गया तो भविष्य में ये ठिकाने इजराइल के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। इसलिए इजराइल पहले ही इन ठिकानों को तबाह कर देता है। यह भी स्पष्ट देखने में आता है कि वैसे तो अमेरिका सीधे हमले में शामिल नहीं होता, लेकिन वह ईरान के प्रभाव को रोकने के लिए इजराइल को खुली छूट देता है। इससे इजराइल और अधिक आक्रामक होता जा रहा है। इसके अलावा, कई बार इजराइल के हमले आंतरिक राजनीति से भी जुड़े होते हैं। इजराइली सरकार जनता को दिखाना चाहती है कि वह देश की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठा रही है, इसलिए ऐसे हमले किए जाते हैं। हम आपको यह भी बता दें कि इस समय इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार सहयोगी दलों के साथ छोड़ने के चलते राजनीतिक दबाव में भी है इसलिए भी हो सकता है कि यह कार्रवाई की

गयी हो। हम आपको यह भी बता दें कि इजराइल ने दमिश्क में जो शक्तिशाली हवाई हमले किए उसके पीछे यह भी दावा किया है कि ये हमले ड्रूज समुदाय की रक्षा के लिए किए जा रहे हैं, जो इस समय सीरियाई सेना के साथ सीधे संघर्ष में है। इजराइल का कहना है कि वह सीरिया में अपने बॉर्डर के पास स्थायित्व बनाए रखने और ड्रूज समुदाय की सुरक्षा के लिए सैन्य कार्रवाई कर रहा है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सीरिया की नई सरकार को ''कट्टर इस्लामिक शासन'' कहकर उसकी आलोचना की और इसे इजराइल के लिए खतरा बताया। इजराइल के रक्षा मंत्री और सेना ने पुष्टि की कि उनके हमलों का निशाना रक्षा मंत्रालय, राष्ट्रपति भवन के आसपास और अन्य सरकारी ठिकाने थे। हम आपको यह भी बता दें कि इजराइल और सीरिया के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए अमेरिका ने तुरंत हस्तक्षेप किया। विदेश मंत्री मार्को रूबियो और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रयासों से सीरिया और ड्रूज नेताओं के बीच संघर्षविराम समझौता हुआ, जिसके तहत सीरियाई सेना को सुवैदा से हटाने का निर्णय लिया गया। हालांकि यह संघर्षविराम अभी भी अनिश्चित है क्योंकि ड्रूज नेताओं के भीतर मतभेद हैं। एक पक्ष यूसुफ जरबू इस समझौते के पक्ष में है जबकि हिकमत अल–हिजरी जैसे नेता इसे अस्वीकार कर चुके हैं और अपने समर्थकों से संघर्ष जारी रखने की अपील कर रहे हैं। दूसरी ओर, राष्ट्रपति अहमद अल–शराअ ने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि सीरिया के पास दो ही विकल्प थे, पहला– इजराइल से खुली जंग लड़ना, जिसकी कीमत ड्रूज को चुकानी पड़ती। दूसरा– या फिर ड्रूज नेताओं से संयम बरतने की अपील कर शांति के रास्ते पर लौटना। उन्होंने कहा कि ष्हम युद्ध से नहीं डरते लेकिन हमने सीरिया की जनता की भलाई को तबाही से ऊपर रखा है।ष साथ ही उन्होंने इजराइल पर आरोप लगाया कि वह सीरिया में फूट डालने और अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहा है। हम आपको बता दें कि सुवैदा में कई दिनों से जारी झड़पों में अब तक 169 लोग मारे गए और 200 घायल हुए हैं। बिजली, पानी, इंटरनेट जैसी सुविधाएं ठप हैं। आम लोग घरों में कैद हैं। सीरिया की सरकार का कहना है कि सुवैदा से हटते हुए ष्बैरकानूनी गुटोंष के खिलाफ अभियान पूरा कर लिया गया है। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इजराइल के हमलों की आलोचना करते हुए सीरिया की संप्रभुता का सम्मान करने की अपील की है। तुर्की, सऊदी अरब, यूएई, कतर और ईरान ने भी इजराइली हमलों की निंदा की। यूरोपीय संघ ने इसे ष्सीरिया की संप्रभुता का उल्लंघनष बताया। हम आपको बता दें कि ड्रूज एक अल्पसंख्यक धार्मिक समुदाय है, जो सीरिया, लेबनान और इजराइल में फैला हुआ है। सीरिया के सुवैदा प्रांत में इनकी बहुसंख्या है। हाल ही में गोलान हाइट्स से भी कई ड्रूज नागरिकों के सीरिया में प्रवेश करने की खबरें आईं, जिन्होंने अपनी जातीय एकजुटता के लिए सीमा पार की। इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इजराइल और गोलान हाइट्स के ड्रूज लोगों को चेतावनी दी कि वे सीमा पार न करें। देखा जाये तो इजराइल और सीरिया के बीच यह संकट केवल सीमा विवाद या आतंरिक सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे पश्चिम एशिया के भू–राजनीतिक संतुलन से जुड़ा है। सीरिया के भीतर ड्रूज अल्पसंख्यक की सुरक्षा के नाम पर दोनों देशों की सियासत तेज हो चुकी है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि भविष्य में यह टकराव किसी बड़े क्षेत्रीय युद्ध की भूमिका भी बना सकता है। अब सीरिया का भविष्य क्या होगा यदि इस सवाल की पड़ताल करें तो हालात संकेत दे रहे हैं कि संघर्षविराम के बावजूद सीरिया पूरी तरह से स्थिर नहीं हो पाएगा क्योंकि कुर्द, तुर्क समर्थित गुट और इस्लामिक स्टेट जैसी ताकतें अभी भी सक्रिय हैं। इसके अलावा, ईरान और इजराइल के बीच शक्ति संघर्ष में सीरिया बार–बार युद्धक्षेत्र बनेगा। यह टकराव भविष्य में भी सीरियाई संप्रभुता के लिए खतरा बना रहेगा।

असीम मुनीर को राष्ट्रपति बनाने के लिए लिया जा सकता है जरदारी का इस्तीफा!

जेल में इमरान खान पर अत्याचार बढ़ाये गये

पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष असीम मुनीर के जल्द ही देश का राष्ट्रपति बनने की चल रही अटकलों के बीच जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर अत्याचार बढ़ा दिये गये हैं जिससे परेशान होकर इमरान ने अपनी पार्टी के सदस्यों से कहा है कि यदि जेल में उनके साथ कोई भी अनहोनी होती है तो उसके जिम्मेदार सेनाध्यक्ष प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर होंगे। हम आपको बता दें कि क्रिकेटर से नेता बने 72 वर्षीय इमरान खान कई मामलों में अगस्त 2023 से जेल में हैं। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) शहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रतिष्ठान पर इमरान खान को रिहा करने के लिए दबाव बनाने के लिए पांच अगस्त से पूरे देश में एक बड़े अभियान की शुरुआत करने की तैयारी कर रही है। इमरान खान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हाल के दिनों में, जेल में मेरे साथ होने वाला कठोर व्यवहार और भी बढ़ गया है।

यही रवैया मेरी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ भी अपनाया जा रहा है। यहां तक कि उनकी कोठरी का टीवी भी बंद कर दिया गया है। हम दोनों के सभी बुनियादी अधिकार चाहे वे मानवीय हों या कैदियों को दी गई कानूनी निलंबित कर दिए गए हैं।'' इमरान खान ने कहा कि ''इसके लिए जवाबदेही होनी चाहिए।'' उन्होंने दावा किया कि वह पूरी तरह से जानते हैं कि एक कर्नल और जेल अधीक्षक ''असीम मुनीर के आदेश पर'' कार्रवाई कर रहे हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, ''इसलिए मैं अपनी पार्टी को स्पष्ट निर्देश देता हूं कि अगर जेल में मेरे साथ कुछ भी होता है तो असीम मुनीर को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''मैं अपनी पूरी जिंदगी जेल में बिताने को तैयार हूं, लेकिन अत्याचार और दमन के आगे झुकने का सवाल ही नहीं उठता। पाकिस्तान की जनता के लिए मेरा संदेश एक ही है– किसी भी हालत में इस दमनकारी व्यवस्था के आगे न झुकें।'' इमरान खान ने दोहराया और कहा कि बातचीत का समय बीत चुका है– अब देशव्यापी विरोध का समय है। इमरान खान ने कहा कि यहां तक कि दोषी ठहराए गए हत्यारों और आतंकवादियों को भी उनसे बेहतर स्थिति में रखा जाता है। उन्होंने एक सैन्य कर्मी का नाम लेते हुए कहा कि उसे ''जेल में वीआईपी सुविधा दी जा रही है।''

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।